दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 266

ग्वालियर, बुधवार 15 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

अमरनाथ यात्रा के लिए जरुरी होगा आधार कार्ड, आधार कार्ड के बिना नहीं होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगी यात्रा

श्रीनगर। श्री अमरनाथ जी की तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड होना जरूरी है, अन्यथा वह बाबा बर्फानी के दर्शन से वंचित रहे सकते हैं। इसकारण जरूरी है कि जिनके पास आधार कार्ड नहीं है वह इसे बनवाएं और फिर इस प्रमाणित भी करवाएं। इस संदर्भ में जम्मू कश्मीर प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। इस वर्ष यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए बालटाल और नुनवन (पहलगाम) में 35 हजार श्रमिकों का पंजीकरण होगा। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं को घोड़े-खच्चर की सेवा उपलब्ध कराने वालों को रेडियो फ्रैक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन डिवाइस (आरएफआइडी) कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में मंगलवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शंकर की प्रथम पूजा होगी। इसमें श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीतिश्वर कुमार और बोर्ड के अन्य अधिकारियों व श्री अमरनाथ यात्री न्यास के पदाधिकारी भाग लेने वाले हैं। श्राइन बोर्ड हर वर्ष तीर्थयात्रा के शुभारंभ से पूर्व ज्येष्ठ पूर्णिमा को पवित्र गुफा में भगवान की शंकर की पूजा अर्चना और हवन का आयोजन करता है। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब

20 दिन से भी कम का समय रह गया है। इस बार यात्रा को सुगम बनाने के लिए श्रीनगर से ही हेलीकाप्टर सेवा शुरू करने के साथ कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। श्रद्धालुओं से कहा जा रहा है कि यात्रा के लिए केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र को अपने स्वास्थ्य का गारंटी कार्ड समझने की भूल न करें। डाक्टरों का कहना है कि यात्रा में आने से पहले अपने शरीर को इन दुर्गम रास्तों पर चलने के लिए तैयार करें। प्रदेश प्रशासन ने आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास विभाग के विशेष सचिव सूरज प्रकाश को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड में आपदा प्रबंधन एवं संबंधित कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि कार्य के दौरान कोई मुश्किल पेश न आए। साथ ही तहसीलदार लताफत कादिर शाल और आपदा प्रबंधन विभाग के सलाहकार वसीम शफी डार को राहत एवं पुनर्वास श्रीनगर के कार्यालय में जिला उपायुक्त उनकी मदद के लिए नियुक्त किया है। श्रीनगर के डलगेट स्थित टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर में सभी 45 शिविर निदेशकों की कार्यशाला भी सोमवार को समाप्त हो गई। इसमें अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। लोक कार्य सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर ने यात्रा मार्ग पर सड़क, पुलों, शेड और फुटपाथ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। कश्मीर ऊर्जा वितरण निगम के चीफ इंजीनियर ने श्रद्धालुओं के शिविरों और पवित्र गुफा में बिजली आपूर्ति के लिए लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइन क बारे में जानकारी दी।

डेढ़ साल में 10 लाख नौकरियां देने पर भड़की कांग्रेस, कहा वादा था हर साल 2 करोड़ नौकरियां देंगे

नई दिल्ली। मोदी सरकार द्वारा डेढ़ साल में 10 लाख नौकरियां देने को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर से सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने मोदी सरकार को जुमलेबाज़ी बताते हुए सवाल पूछा कि

वादा 2 करोड़ नौकरी हर साल देने का था नेशनल डेस्क- मोदी सरकार द्वारा डेढ़ साल में 10 लाख नौकरियां देने को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर से सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने मोदी सरकार को जुमलेबाज़ी बताते हुए सवाल पूछा कि वादा 2 करोड़ नौकरी हर साल देने का था यानि कि 8 साल में 16 करोड़ नौकरियां देनी थी, लेकिन अब कह रहे हैं साल 2024 तक केवल 10 लाख नौकरी देंगे। 60 लाख पद केवल राज्य सरकारों में ख़ाली हैं, जबकि 30 लाख पद केंद्र सरकार में ख़ाली हैं। जुमलेबाज़ी कब तक चलेगी? दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों से कहा है कि वे मिशन मोड में काम करते हुए अगले डेढ़ साल में दस लाख लोगों की भर्ती करें।

योगी के बुलडोजर वाले एक्शन पर भड़के औवेसी, हिम्मत हैं तब अजय मिश्रा का घर तोड़कर दिखाए

हैदराबाद। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ नूपुर शर्मा की कथित टिप्पणी को लेकर यूपी के कई शहरों में हिंसा की खबर आई थी। इसके बाद हिंसा करने वालों के खिलाफ योगी आदित्यनाथ की सरकार लगातार एक्शन ले रही है। इसी कड़ी में प्रयागराज के मुख्य आरोपी के घर पर बुलडोजर वाला एक्शन हुआ है। जिसके बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने योगी को चुनौती देकर कहा कि अगर हिम्मत है, तब अजय मिश्र टेनी का घर तोड़िए। बता दें कि अजय मिश्र टेनी पर लगातार विपक्ष लखीमपुर खीरी हिंसा कांड को लेकर हमलावर रहता है। ओवैसी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी सुप्रीम जस्टिस बन चुके हैं। वे खुद अपनी अदालत में किसी की पेशी करेंगे और घर तोड़ देंगे। उन्होंने चैलेंज देकर कहा कि अगर हिम्म्त है, तब टेनी (अजय कुमार मिश्रा) का घर तोड़िए, उनपर 5 हत्या का मामला है सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी बेल रद्द कर दी। बता दें कि प्रयागराज जिला प्रशासन और पुलिस ने जुमे की नमाज के बाद शहर के अटाला और करेली क्षेत्र में पुलिस पर पथराव की घटना के 'मास्टरमाइंड' (मुख्य षड्यंत्रकर्ता) मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप का करेली में अवैध रूप से निर्मित दो मंजिला बंगला रविवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

राजस्थान के भरतपुर में फिर जल उठी आरक्षण की आग, जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में नौकरी और उच्च शिक्षा में 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य, माली समाज की पांच जातियों के सैकड़ों लोगों ने जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अरोदा गांव में चक्का जाम किया। भरतपुर प्रशासन ने जिले की चार तहसील नदबई, उच्चैन, वैर, भुसावर में मोबाइल इंटरनेट सेवा को मंगलवार सुबह 11 बजे तक निलंबित किया है। राजस्थान में 12 प्रतिशत अलग से आरक्षण देने की मांग को लेकर सैनी, माली, कुशवाहा, शाक्य मौर्य, आरक्षण संघर्ष समिति के नेतृत्व में आंदोलन शुरू किया गया।

समाज के नेताओं का कहना है कि वर्तमान में इन लोगों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल किया गया है। इस श्रेणी में अन्य जातियों के होने के कारण उनके समाज को फायदा नहीं मिल रहा है। संघर्ष समिति के महासचिव बदन सिंह ने कहा, हमारी आरक्षण की मांग को पूरा करे और एक अलग से कोटा हमें दिया जाए। यदि आवश्यकता पड़ी तब हम भरतपुर-धौलपुर रेल मार्ग को भी बंद करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार की ओर से एक मंत्री हमारे पास आएं और आश्वस्त करें कि हमारी मांगों पर विचार किया जाएगा तभी हम धरना समाप्त करने वाले हैं। इस मामले पर भरतपुर के जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने कहा, ''हम आंदोलनकारियों से बातचीत कर रहे हैं लेकिन वहां (आंदोलनकारी) चाहते हैं, कि उनकी बातचीत किसी सरकार के प्रतिनिधि (मंत्री) से होनी चाहिए। आरक्षण को लेकर उनकी मांग से सरकार को अवगत करा दिया गया है।%% उन्होंने बताया कि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जिला प्रशासन ने पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया है। भरतपुर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने को लेकर आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था का उल्लंघन नहीं होने दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह और भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा को आंदोलनकारियों के साथ बातचीत करने को कहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक ने बारातियों से भरे ऑटो को रौंदा ! घटनास्थल पर ही हुई 5 की मौत !

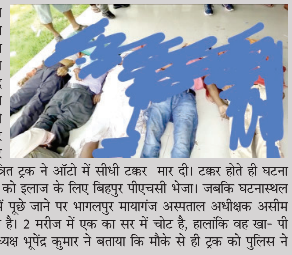

भागलपुर। भागलपुर के नवगछिया के झंडापुर ओपी सहायक थाना क्षेत्र के मड़वा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर जनता दरबार ढाबा के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने बारातियों से भरी एक ऑटो को रौंद डाला! जिससे 5 बारातियों घटना स्थल पर ही मौत हो गई ! देर रात तक 5 शवों को नवगछिया अनुमंडल अस्पताल झंडापुर पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया गया था। मृतकों में पूर्णिया जिले के रुपौली थाना क्षेत्र के गोलखी निवासी मृतक मंटू मंडल, पिंकू मंडल, छट्टू मंडल, ऑटो चालक गजेंद्र साह, गजाधर मंडल है। जबकि घायलों में रुपौली के गोलखी गांव निवासी ध्रुव मंडल कुमार, मंचन कुमार, विनोद मंडल, विपिन मंडल, मिट्ठू कुमार, सुनील मंडल, सुरज कुमार है। बिहपुर पीएचसी में सभी घायलों का प्राथामिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए जेएलएनएमसीएच रेफर कर दिया गया था। देर रात सभी घायलों को भागलपुर उचित उपचार के लिए भेजा गया। जानकारी मिली है कि ऑटो पर सवार होकर नारायणपुर बारात जा रहे थे। झंडापुर जनता दरबार ढाबा के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर होते ही घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गयी ! सूचना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची झंडापुर पुलिस ने पांच घायलों को इलाज के लिए बिहपुर पीएचसी भेजा। जबकि घटनास्थल पर ही मारे गए लोगों को पोस्टमार्टम के लिये नवगछिया अनुमंडल अस्पताल भेजा गया। इस संबंध में पूछे जाने पर भागलपुर मायागंज अस्पताल अधीक्षक असीम कुमार दास से पूछे जाने पर आज दोपहर में बताया कि एक मरीज ठीक हो चुका है वह घर चला गया है। 2 मरीज में एक का सर में चोट है, हालांकि वह खा- पी रहा है। जबकि एक और मरीज का हाथ टूटा है उसका ऑपरेशन होगा, मेल लगेगा ।झंडापुर के थानाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार ने बताया कि मौके से ही ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है जबकि चाकल और सहचालक भागने में सफल रहा है।

खास खबर

रांची में हुई हिंसा को लेकर बड़ा खुलासा, वासेपुर गैंग नाम से व्हाट्सएप ग्रुप बनाया

रांची। झारखंड में रांची में हुई हिंसा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस को वासेपुर गैंग नाम के इसतरह के व्हाट्सएप ग्रुप की जानकारी मिली है, जो 9-10 जून की घटना के पीछे एक सोची-समझी साजिश का सबूत है। लिहाजा पुलिस अभी कोई कौताही नहीं बरत रही। क्योंकि उस भी किसी बड़ी गड़बड़ी की आशंका है। वासेपुर गैंग नामक ग्रुप में घटना के दिन को लेकर सारी जानकारी साझा की गई थी। पुलिस की तरफ से ग्रुप के एडमिन का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। रांची के कर्बला इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस भी गड़बड़ी फैलाने वालों पर सख्त नजर रखे हुए है। 10 जून के जिस दिन रांची में हिंसा हुई थी। जमकर उपद्रव हुआ, कई जगह से पथराव हुआ, कई जगह से गोलियां चलाई गई थी। उसके बाद यहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए गए। आरएएफ और अतिरिक्त बल को यहां पर तैनात किया गया। अब कार्रवाई होनी शुरू हो गई है। सीसीटीवी मॉन्ट्रिंग रूम के द्वारा लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। कई लोगों के नाम एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारियों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। रांची में अब पुलिस हर कड़ी को जोड़ रही है। एफएलसी की टीम ने बिजली के खंभे में धंसे एक गोली को बाहर निकाला। पुलिस जांच कर रही है कि गोली किसकी है? पुलिस की या फिर पुलिस को निशाना बनाने वालों की।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एयर इंडिया द्वारा वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को यात्रा की अनुमति नहीं देने और उसके बाद अनिवार्य मुआवजा देने से इनकार करने के मामले में नियामक ने जुर्माना लगाया है। नियामक ने कहा, डीजीसीए द्वारा बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली में इस तरह के मामलों की जांच की गई। इस दौरान यह तथ्य सामने आया कि एयर इंडिया ने नियमनों का अनुपालन नहीं किया गया। इसके बाद एयरलाइन को डीजीसीए द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और इस संदर्भ में व्यक्तिगत सुनवाई भी की गई थी।'' डीजीसीए के मुताबिक, इस संबंध में एयर इंडिया की संभवत- अपनी कोई नीति नहीं है और वह यात्रियों को मुआवजे का भुगतान नहीं करती है। नियामक ने कहा कि आखिरकार यह एक गंभीर चिंता का विषय है और अस्वीकार्य है। नियामक ने कहा कि इस मामले में एयर इंडिया के जवाब के बाद सक्षम प्राधिकरण ने एयरलाइन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एयरलाइन को इस मुद्दे को सुलझाने के लिए तत्काल तंत्र भी स्थापित करने की सलाह दी गई है। डीजीसीए की नई गाइडलाइन के अनुसार, अगर किसी यात्री के पास वैध टिकट है और वहां बोर्डिंग के वक्त मौजूद है, फिर भी अगर एयरलाइन उस बोर्डिंग से मना करती है, तब एयरलाइन को 10 हजार रुपये हर्जाना देना होगा। यह हर्जाना यात्री के लिए 24 घंटे में वैकल्पिक व?यवस?था करने पर देना होगा। अगर एयरलाइन 24 घंटे में कोई वैकल्पिक व्यवस्था यात्री के लिए नहीं कर पाती है, तब उस 20 हजार रुपये तक हर्जाना देना होगा।

मई में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 15.88 प्रतिशत रही

मुंबई। फिलहाल महंगाई से राहत मिलती नहीं दिख रही। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 15.88 प्रतिशत रही। साल 2012 के बाद पहली बार थोक महंगाई इस उच्च स्तर पर पहुंची है। बता दें कि अप्रैल में थोक महंगाई दर 15.08 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जो मार्च में 14.55 प्रतिशत थी। मिनेरल ऑयल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, खाद्य वस्तुएं, बेसिक मेटल, गैर-खाद्य वस्तुएं, रसायन और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में उछाल से मई में थोक महंगाई दर में बढ़ोतरी देखी गई। मई में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अप्रैल के 8.88 प्रतिशत से बढ़कर 10.89 प्रतिशत पर पहुंच गई।

महिला-पुरुष का पति-पत्नी की तरह लंबे समय तक साथ रहना शादी जैसा, संपत्ति में इनके बेटे का भी हक : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अगर कोई पुरुष और महिला लंबे समय तक साथ रहते हैं तो कानून के अनुसार इसे विवाह जैसा ही माना जाएगा और उनके बेटे को पैतृक संपत्तियों में हिस्सेदारी से वंचित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि विवाह के सबूत के अभाव में एक साथ रहने वाले पुरुष और महिला का नाजायज बेटा पैतृक संपत्तियों में हिस्सा पाने का हकदार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस अब्दुल नज़ीर और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा यह अच्छी तरह से स्थापित है कि अगर एक पुरुष और एक महिला पति-पत्नी के रूप में लंबे समय तक एक साथ रहते हैं, तो इसे विवाह जैसा ही माना जाएगा। इस तरह का अनुमान साक्ष्य अधिनियम की धारा 114 के तहत लगाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला केरल हाईकोर्ट के 2009 के उस फैसले के खिलाफ अपील पर आया है, जिसमें एक पुरुष और महिला के बीच लंबे समय तक चले रिश्ते के बाद पैदा हुई संतान के वारिसों को पैतृक संपत्तियों में हिस्सा देने संबंधी निचली अदालत के आदेश को खारिज कर दिया गया था।

ये मामला पिछले 40 साल से अदालतों में चक्कर काट रहा था। पहले लोअर कोर्ट ने फैसले में कहा था कि लंबे समय तक पति-पत्नी की तरह साथ रहने वाले कपल के बेटे को पारिवारिक संपत्ति में हिस्सेदार माना जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट इससे सहमत नहीं हुआ और फैसला पलटते हुए ट्रायल कोर्ट से फिर से सुनवाई करने को कहा। इस रिमांड ऑर्डर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसने हाईकोर्ट से ही मामले में फैसला देने को कहा। हाईकोर्ट अपने पहले के फैसले पर कायम रहा, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हमने प्रतिवादियों की ओर से पेश सबूतों को भी देखा है। हमारा विचार है कि प्रतिवादी दामोदरन और चिरुथाकुट्टी के बीच उनके लंबे रिश्ते से बने विवाह जैसे संबंध के खिलाफ साबित करने में नाकाम रहे हैं। इसके अलावा, तथाकथित नाजायज बेटे की ओर से जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, वे संपत्ति का विवाद पैदा होने से बहुत पहले के हैं। ये दस्तावेज और गवाहों के बयान व सबूत दिखाते हैं कि दामोदरन और चिरुथाकुट्टी लंबे समय से पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे। पहला वादी 1963 में सैन्य सेवा में शामिल हुआ और 1979 में रिटायर हुआ।

राहुल गांधी के समर्थन में महबूबा, उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा

जम्मू। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय पूछताछ कर रही है। उनकी मां सोनिया गांधी को भी 23 जून को पूछताछ के लिए पेश होना है। इन इस बीच पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने राहुल गांधी का समर्थन किया है। उन्होंने राहुल से पूछताछ के मामले पर कहा कि वर्तमान में जितनी भी जांच एजेंसी है, वह सरकार के पार्टनर के रूप में काम कर रही हैं। जो सरकार कहती है, ये जांच एजेंसियां वहीं करती हैं। विपक्ष के नेताओं को जेल में डालते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को परेशान किया जा रहा है, जिनके पूर्वजों ने इस देश को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में

न्यायपालिका का बड़ा रोल है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह जो हिंदुस्तान है, वह पूरी दुनिया में अपनी भाईचारे, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र के लिए जाना जाता था। लेकिन भाजपा ने सब का बेड़ा गर्क कर दिया है। मुफ्ती ने आरोप लगाया कि देश से अल्पसंख्यकों को बेदखल करने की कोशिश की जा रही है, उनका कोई सुनने वाला नहीं है। उनके कपड़ों पर सवाल उठाए जाते हैं। उनके खाने-पीने पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें सरकार का पूरा तौर पर हाथ होता है। मुफ्ती ने दावा किया कि गांधी और नेहरू ने इस मुल्क के लिए किया था, उससे बिल्कुल उल्टा भाजपा कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके आने वाले समय में परिणाम खतरनाक हो सकते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप से 20-25 करोड़ लोगों को बेदखल नहीं कर सकते। उनका वजूद नहीं मिटा सकते। महबूबा ने बुलडोजर की कार्रवाई पर कहा कि यह बदले की सियासत है। महबूबा ने कहा कि वर्तमान में जो न्यायपालिका है। वह खामोश है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष सवाल उठाता है, तब उनके पीछे ईडी को लगा दिया जाता है। उन्हें जेल में डाला जाता है। इसके साथ ही महबूबा ने मीडिया पर भी सवाल उठाए।

पाक पीएम शहबाज बोले- भारत में मुसलमानों को सरकारी क्रूर तंत्र से डराया जा रहा

इस्लामबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि यहां मुसलमानों को सरकारी क्रूर तंत्र से डराया जा रहा है। इन दिनों शहबाज अपने देश की चिंता छोड़ भारत पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। यही कारण है कि उनको पाकिस्तान में कानून व्यवस्था की लचर स्थिति दिखाई नहीं देती, लेकिन भारत को सीख देने की कोशिश जरूर करते हैं। अब शहबाज शरीफ ने बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा के पैगंबर पर दिए गए बयान के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर भारत पर हमला बोला है। शहबाज ने आरोप लगाया है कि भारत में मुसलमानों को क्रूर सरकारी तंत्र से डराया जा रहा है। शहबाज

शरीफ ने ट्वीट किया कि भारत ने भारतीय मुसलमानों को अपने अधीन करने के लिए क्रूर और दमनकारी तंत्र को खोल दिया है। उन्होंने दावा किया कि भारत की पूरी योजना मुसलमानों को राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से हाशिए पर डालने की है। शहबाज शरीफ ने अपनी गिरेबान में झांकने की जगह बयान दिया कि भारत के ÷लोकतांत्रिक चेहरे की हकीकत दुनिया के सामने आ गई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भी भारत में हुए विरोध प्रदर्शनों पर खूब जहर उगला है। विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को भारत के कई हिस्सों में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद पुलिस कार्रवाई की आचोलना की है। पाकिस्तान ने दावा किया कि ये प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक विरोध जता रहे थे। घटनास्थल से सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठे पाकिस्तानी सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि झारखंड की राजधानी रांची में दो प्रदर्शनकारी पुलिस की गोली से मारे गए। हालांकि, अभी रांची पुलिस ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है।

न्यूज़ ट्रैक....

श्रीलंका दौरे पर जाने के लिए तैयार हैं : पीसीबी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि उनकी टीम तय कार्यक्रम के अनुसार श्रीलंका दौरे पर जाने के लिए तैयार है। पीसीबी ने श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) से कहा है कि वह जुलाई-अगस्त में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंकार नहीं करेगी। एक पीसीबी अधिकारी ने कहा, ''हम हमेशा श्रीलंका क्रिकेट का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। हमें टेस्ट श्रृंखला के लिए इस देश का दौरा करने में कोई परेशानी नहीं है।'' गौरतलब है कि आर्थिक बदहाली के बाद से ही श्रीलंका में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। इसी कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई (सीए) ने अपनी टीम के अपने अगले माह होने वाले दौरे का फैसला हालातों को देखकर करने की बात कही है। वहीं एक पीसीबी अधिकारी ने कहा है कि दौर का फैसला श्रीलंकाई बोर्ड को करना है और वह जो भी फैसला करेंगे पीसीबी उसे मानेगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, ''श्रीलंका बोर्ड के साथ हमारा रिश्ता काफी मजबूत है, दोनों देशों ने हमेशा कठिन हालात में एक दूसरे का समर्थन किया है।'' इसलिए पीसीबी पाकिस्तान जुलाई-अगस्त में श्रृंखला खेलने से इनकार नहीं करेगा।

विश्व कप फुटबॉल के बाद कोमैन फिर बनेंगे नीदरलैंड के कोच

एम्सटर्डम । रोनाल्ड कोमैन कतर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के बाद एक बार फिर नीदरलैंड टीम के कोच बनेंगे। विश्व कप में नीदरलैंड की टीम कोच लुई वान गाल के मार्गदर्शन में उतरेगी पर वान ने पहले ही कह दिया था कि वह 18 दिसंबर को कतर में समाप्त होने वाले टूर्नामेंट के बाद कोच पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में कोमैन को दूसरी बार कोच बनना तय है क्योंकि डच सॉकर महासंघ ने एक बार फिर कोमैन को टीम के साथ जोड़ने का फैसला किया है। डच महासंघ के निदेशक मारियेन वान ल्युवेन ने कहा, 'कोच के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान हम उनके काम और परिणामों को लेकर संतुष्ट थे। कोमैन दो साल से भी कम समय पहले नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम को छोड़कर स्पेन के क्लब बार्सीलोना से जुड़े थे जहां वह एक खिलाड़ी के तौर पर सफल रहे थे थी लेकिन कोच के तौर पर उनका कार्यकाल अच्छा नहीं रहा था। इसी कारण क्लब ने उन्हें पिछले साल अक्टूबर में हटा दिया था।

महिला रैसलर पेजे ने संन्यास लिया

वाशिंगटन । महिला रैसलर पेजे ने डब्ल्यूडब्ल्यूई मुकाबलों से संन्यास ले लिया है। पेजे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा कि मैं बहुत आभारी हूं कि कंपनी ने मुझे खेलने का मौका दिया। मैं हमेशा उस कंपनी की सराहना करूंगी जिसने एक 18 वर्षीय ब्रिटिश लड़की को मौका दिया। उन्होंने मुझे एक सुपरस्टार की तरह महसूस कराया। मुझे पता है कि मेरी गर्दन की चोट के बाद मुझे रिंग से बाहर होना पड़ा। जब तक हो सका तब तक आपने मुझे अपने पास रखा। इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। पेजे ने डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स को धन्यवाद दिया, उन्हें प्रशंसकों का सबसे भावुक समूह बताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह उनका अनुसरण करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यहां से जाना काफी कठिन है।

आईपीएल प्रसारण अधिकार हासिल करने वाली टीमों के नामों की घोषणा आज

मुम्बई। आइपीएल के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकारों को हासिल करने वाली टीमों के नामों की घोषणा होगी। बोली में शामिल दो अलग-अलग मीडिया कंपनियों ने टीवी और डिजिटल मीडिया अधिकार हासिल किए हैं। इन कंपनियों के नामों के बारे में अभी आधिकारिक रूप से पता नहीं चल पाया है। बीसीसीआई को साल 2023 से 2027 के लिए ही आईपीएल प्रसारण अधिकारों से 46000 करोड़ रुपये से ज्यादा की आय होने के अनुमान हैं इससे वह दुनिया की सबसे धनी लीग में शामिल हो जाएगी। अब तक मिली सूचना के अनुसार 2023 से 2027 के बीच 410 आइपीएल मैचों के लिए पैकेज-ए में भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी अधिकार 23575 करोड़ रुपये में बिके हैं। इस प्रकार हर मैच की 57.5 करोड़ रुपये रहेगी।

वहीं पैकेज-बी यानी भारतीय उपमहाद्वीप के लिए डिजिटल अधिकार 50 करोड़ रुपये प्रति मैच में मिलेगी। पैकेज-बी से 20500 करोड़ रुपये मिले हैं इस प्रकार दो पैकेज बेचने के बाद बीसीसीआइ को तकरीबन 44075 करोड़ रुपये मिलेंगे।

वहीं 107.5 करोड़ रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि ने आइपीएल को दुनिया की सबसे महंगी लीगों की सूची में ला खड़ा किया है। सूत्रों ने बताया कि आइपीएल पैकेज के विजेताओं के नामों की घोषणा नीलामी की प्रक्रिया खत्म होने से पहले नहीं कर सकती है। माना जा रहा है कि टीवी प्रसारण अधिकार स्टार डिज्नी को फिर मिलेंगे, जबकि डिजिटल अधिकार रिलायंस की हिस्सेदारी वाली वायकाम-18 को मिलेंगे।

आईपीएल प्रसारण अधिकार 44 हजार करोड़ से ज्यादा में बिके

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले पांच सत्र 2023 से 2027 तक के प्रसारण अधिकार 44 हजार करोड़ से ज्यादा में बिके हैं। यह पिछली बार से ढाई गुना अधिक है पिछली बार यह आंकड़ा करीब 17 हजार करोड़ था। प्रसारण अधिकार के लिए बोली रविसर को शुरु हुई थी जो सोमवार को भी चली। इसमें भारतीय महाद्वीप के टीवी और डिजिटल मीडिया अधिकार बिके। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी प्रसारण अधिकार वाले पैकेज ए में सबसे ज्यादा बोली साढ़े 57 करोड़ रुपये प्रति मैच की रही है। वहीं इसी क्षेत्र के लिए डिजिटल प्रसारण के अधिकार वाले पैकेज बी में बोली 50 करोड़ रुपये प्रति मैच की पहुंची। इस तरह पांच सत्र के कुल 410 मैचों के लिए टेलीविजन प्रसारण 23,575 रुपये में और डिजिटल राइट्स 20,500 करोड़ रुपये में बिके हैं। इस प्रकार बीसीसीसी को पैकेज ए और बी के प्रसारण अधिकार से कुल मिलाकर 44,075 करो? रुपये मिलेंगे। यह पिछली बार (2017-22) से कई ज्यादा हैं दो अलग-अलग मीडिया कंपनियों ने टीवी और डिजिटल मीडिया अधिकार हासिल किए हैं। इस प्रकार 107. 5 करोड़ रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि ने आईपीएल को विश्व की सबसे महंगी लीगों की सूची में ला खड़ा किया है। मीडिया अधिकारों को चार पैकेज में बांटा गया है- ए, बी, सी और डी । पैकज ए में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए टीवी राइट्स और पैकेज बी में इसी क्षेत्र के लिए डिजिटल अधिकार भी शामिल हैं। पैकेज सी में हर सत्र के लिए 18 मैंचों के डिजिटल प्रसारण के अधिकार मिलेंगे, जिनमें सत्र का पहला मैच, वीकएंड पर होने वाले हर डबल हेडर में शाम वाला मैच और चार प्लेऑफ मुकाबलों को रखा गया है। पैकेज डी में भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकारों को रखा गया है।

कतर में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में जीत के बाद उत्साहित ऑस्ट्रेलिया के एंड्रयू रिडमायने व एजीज बेनिक।

बीसीसीआई ने पूर्व क्रिकेटरों, अंपायरों की पेंशन बढ़ायी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों को बड़ी राहत देते हुए उनकी पेंशन को बढ़ा दिया है। यह बढ़ोतरी एक जून 2022 से प्रभावी हो गयी है। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह अत्यंत अहम है कि हम अपने पूर्व क्रिकेटरों की आर्थिक हालत का ध्यान रखें। बोर्ड के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि उनके खेलने के दिन समाप्त होने के बाद उनका साथ दें क्योंकि अंपायर खेल के नायक रहे हैं और इसी लिए बीसीसीआई उनके योगदान को महत्व देता है। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि हमारे पूर्व एवं वर्तमान क्रिकेटरों का कल्याण ही सर्वोच्च प्राथमिकता है, और पेंशन राशि बढ़ाना इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। बीसीसीआई क्रिकेट में अंपायरों के योगदान को समझता है।

इंडोनेशिया ओपन आज से , लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

जकार्ता । इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट मंगलवार से शुरु हो रहा है। इसमें भारत को महिला वर्ग में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष वर्ग में युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन से जीत की उम्मीदें रहेंगी। पिछले कुछ समय में इन दोनो का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

इंडोनेशिया ओपन में सिंधु का पहला मुकाबला चीन की ही बिंग जिओ से होगा। सिंधु अगर शुरुआती दो दौर में जीत हासिल कर लेती हैं तो इसके बाद उसका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एन से यंग से होगा। विश्व के शीर्ष 32 खिलाड़ी ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इसमें तीन बार की पूर्व विश्व चैंपियन विजेता कैरोलिना भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। वह फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं।

भारत की अनुभवी खिलाड़ी साइना नेहवाल मलेशिया ओपन की तैयारी के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हैं।

वहीं पुरुष एकल के पहले दौर में लक्ष्य का हमवतन एचएस प्रणय से मुकाबला होगा। लक्ष्य पिछले कुछ महीनों से अच्छी लय में थे हालांकि उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरत लानी होगी। वहीं विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत का सामना पहले मैच में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई से होगा। इसके अलावा बी साई प्रणीत और डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस के बीच भी टक्कर होगी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी कोरिया के चोई सोल ग्यू और किम वोन हो के खिलाफ अपने अपना शुरुआती मैच खेलेगे। वहीं पुरुष युगल में मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिल तथा कृष्ण प्रसाद गरगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। मिश्रित युगल में अश्विनी और सुमीत तथा ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो उतरेंगे। वहीं महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी, त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा अश्विनी भट और शिखा गौतम से उम्मीदें रहेंगी

तीसरे टी20 में भारतीय टीम को हर हाल में दर्ज करनी होगी जीत

विशाखापट्टनम । भारतीय टीम यहां मेहमान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को सीरीज के तीसरे मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। पहले दो मैच में भारतीय टीम की हार के बाद उसके लिए यह मैच बेहद अहम है। युवा कप्तान ऋषभ पंत के लिए भी यह मैच अहम है क्योंकि उनकी कप्तानी पर सवाल उठ रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने विशाखापट्टनम के इस स्टेडियम में अभी तक चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें दो में भारतीय टीम जीती है ओर एक हारी है जबकि भारत-न्यूजीलैंड के बीच एक मैच रद्द कर दिया गया था। भारत और श्रीलंका के बीच यहां हुए पिछले दो मैचों में भारतीय टीम जीती है। . 14 फरवरी को खेले गए उस मुकाबले में भारत ने कमाल का प्रदर्शन किया और 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में स्पिनरों ने शानदार खेल दिखाया और श्रीलंकाई टीम की पारी 82 रन पर समेट दी.

वहीं दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने सीरीज का तीसरा टी20 मैच विशाखापट्टनम में खेला। तब भारत ने टॉस जीता और श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। श्रीलंका ने 18 ओवर खेले और 82 रन पर पूरी टीम सिमट गयी। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने जहां 8 रन देकर 2 विकेट झटके तो वहीं, सुरेश रैना ने 2 ओवर में 6 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। बाद में शिखर धवन ने नाबाद 46 रन बनाते हुए टीम इंडिया को 9 विकेट से जीत दिलाई थी। . फिर साल 2019 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मैच इसी मैदान पर खेला गया। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को 3 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

व्यापार न्यूज

चावल के निर्यात पर नहीं लगेगी पाबंदी

नई दिल्ली । चावल निर्यात पर पाबंदी की चर्चा के बीच केंद्र सरकार ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि ऐसा कोई फैसला नहीं नहीं किया गया है। सरकार ने साफ कर दिया कि देश में चावल का भरपूर स?टॉक है, इसलिए सरकार का फिलहाल चावल के एक?सपोर्ट पर बैन लगाने का कोई इरादा नहीं है। गेहूं निर्यात पर अचानक रोक लगाने के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार कभी भी चावल का निर्यात भी रोक सकती है। मनीकंट्रोल डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि देश में चावल का भरपूर स्टॉक है। इसलिए इसके निर्यात पर प्रतिबंध सरकार नहीं लगाने जा रही है। देश में बढ़ती महंगाई पर रोक लगाने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। देश में गेहूं और आटे की कीमतों में उछाल के बाद सरकार ने गेहूं निर्यात को बैन कर दिया था। वहीं, चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए सरकार चीनी के निर्यात के लिए लिमिट तय कर चुकी है। देश में पिछले साल चावल का उत्पादन बहुत अच्छा रहा था। इस साल भी मानसून सामान्य रहने का अनुमान है। इस वजह से इस बार भी देश में चावल का बढ़िया उत?पादन होने का अनुमान जताया जा रहा है। मुख्य चावल उत्पादक राज्यों का मानना है कि इस साल भी फसल के लिए स्थितियां अनुकूल लग रही हैं। सरकार भी देश का चावल निर्यात बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। ऐसे देशों की पहचान की जा रही है, जिनमें चावल की खपत ज्यादा है।वित?त वर्ष 2021-22 में भारत ने 9.6 अरब डॉलर मूल्य के चावल का निर्यात किया।

फेडरल रिजर्व ने मॉनेटरी पॉलिसी में सख्ती जारी रखी तो 14,000 तक गिर सकता है निफ्टी

नई दिल्ली । निफ्टी में अभी और गिरावट आ सकती है। यह अपने वर्तमान स्तर से फिसलकर 14,500 या 14,000 तक भी आ सकता है। इसके पीछे कई वजहें गिनाते हुए जेफरीज के इक्विटी हेड क्रिस वुड ने सोमवार को कही हैं। चूंकि जेफरीज़ और क्रिस वुड दोनों ही शेयर बाजार के जाने-माने नाम हैं, तो वुड की बात को हल्के में लेना गलत होगा। सोमवार को निफ्टी 15,700 से नीचे फिसल गया, हालांकि बाद में कुछ अंकों की रिकवरी हुई। क्रिस वुड का कहना है कि अगर अमेरिका में फेडरल रिजर्व अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में सख्ती जारी रखता है तो एसएंडपी इंडेक्स अपने उच्चतम स्तर से 30 फीसदी गिर सकता है। अगर भारतीय बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का इनवेस्टमेंट जारी रहता है, तो स्थिति अलग हो सकती है। अमेरिकी इकॉनमी के बारे में उन्होंने कहा कि अगर इस कैलेंडर ईयर की चौथी तिमाही में अमेरिकी इकॉनमी में स्लोडाउन के ठोस संकेत नहीं दिखते हैं तो उन्हें हैरानी होगी।

रिजर्व बैंक अगली दो बैठकों में बढ़ा सकता है नीतिगत दरें

नई दिल्ली । देश में महंगाई लगातार शीर्ष पर कायम है बीते कुछ महीनों महंगाई डायन के दंश से आम लोग काफी आहत हैं। बावजूद इसके एसबीआई की एक रिपोर्ट का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई काबू करने के मामले में काफी आगे रहा है। वहीं, जानकार आश्वस्त हैं कि आरबीई अगस्त और अक्टूबर में मौद्रिक नीति समीक्षा (एमपीसी) में रेपो रेट बढ़ाएगा। जबकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महंगाई के अब इस स्तर से ऊपर जाने के आसार नहीं हैं। एसबीआई की 'इकोरैप' रिपोर्ट के अनुसार, 'ऐसा लगता है कि महंगाई दर अपने उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है।' बता दें कि खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में करीब 8 साल के उच्च स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। हालांकि, मई में यह कुछ नरम होकर 7.04 प्रतिशत पर आ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति भी मई में नरम पड़कर 6.09 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 6.97 प्रतिशत थी। इसमें 2022-23 में औसत महंगाई दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष ने कहा है, हमारा मानना है कि आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये काफी आगे है और फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) अमेरिका में मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए रिजर्व बैंक के मॉडल को अपना सकता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही विदेशी कोषों की निकासी से भी बाजार गिरा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक को लेकर भी निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। शुरुआती कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 374.72 अंक नीचे आकर 52,471.98 पर पहुंच गयी। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 100.15 अंक फिसलकर 15,674.25 अंक पर पहुंच गया।कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन और एचडीएफसी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व के शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी।

सुबह बाजार खुलते ही एशियान पेंट , टेक महिन्द्रा , एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और एचडीएफसी लाइफ, विप्रा, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक व कोटक बैंक के स?टॉक?स में भारी बिकवाली हुई जिससे ये शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा हीरो मोटोकॉप के शेयरों में भी बिकवाली आई जबकि पॉवर ग्रिड कारपोरेशन , भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एमएंडएम और टाटा स्टील, एनएंडटी , एनटीपीसी, पॉवरग्रिड आदि के शेयरों में तेजी आई। ये स?टॉक?स सबसे ज्यादा लाभ वाले शेयरों की सूची में आ गए। बाजार में गिरावट के बाद भी बीएसई मिडकैप और स?मॉलकैप में आज 0.4 फीसदी की तेजी आई है।

सुबह से ही कारोबार के दौरान संपत्ति क्षेत्र , वित्त और उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में भी आज बिकवाली हावी रही और ये एक फीसदी तक नीचे आ गए जबकि धातु और उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों में आज सपाट कारोबार दिखा।

रुपये की कमजोर शुरुआत

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। रुपया सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे नीचे आकर 78.02 पर फिसल गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 78.02 पर खुला, जो पिछले बंद भाव की तुलना में दो पैसे की बढ़त दिखाता है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले मजबूत होकर 77.90 तक पहुंच गया। यह 78.06 के निचले स्तर तक जाने के बाद 11 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने

भुगतान सिस्टम में एक जुलाई से होगा परिवर्तन

नई दिल्ली । भुगतान प्रणाली को सहज, सरल और सुरक्षा के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले साल डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड टोकनाइजेशन गाइडलाइंस जारी किए थे, जिसके तहत मर्चेंट को अपने सर्वर पर ग्राहकों के कार्ड के डेटा को स्टोर करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।1 जुलाई 2022 से ऑनलाइन मर्चेंट अपने कस्टमर्स के डेबिट और क्रेडिट कार्ड का डाटा स्टोर नहीं कर पाएंगे। केंद्रीय बैंक ने डोमेस्टिक ऑनलाइन पर्चेज पर कार्ड-ऑन-फाइल टोकन को अपनाने को अनिवार्य किया है। देशभर में कार्ड टोकन को अपनाने की डेडलाइन 1 जनवरी, 2022 से 1 जुलाई 2022 तक छह महीने के लिए बढ़ा दी गई थी। ग्राहकों को सुरक्षित ट्रांजैक्शन में मदद के लिए एन्क्रिप्टेड 'टोकन' के रूप में स्टोर किया जाएगा। ये टोकन ग्राहक की जानकारी का खुलासा किए बिना पेमेंट करने की अनुमति देंगे। आरबीआई के गाइडलाइंस में वास्तविक कार्ड डेटा को एन्क्रिप्टेड डिजिटल टोकन के साथ बदलना अनिवार्य है। आरबीआई ने कहा है कि 30 जून के बाद यानी 1 जुलाई, 2022 से मर्चेंट को कस्टमर के डेबिट और क्रेडिट कार्ड के डेटा को डिलिट करना होगा। इसका मतलब यह है कि अगर ग्राहकों ने कार्ड टोकनाइजेशन के लिए सहमति नहीं दी है, तो उन्हें हर बार ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कार्ड वेरीफिकेशन वैल्यू यानी सीवीवी दर्ज करने के बजाए अपने सभी कार्ड विवरण नाम, कार्ड नंबर और कार्ड की वैलिडिटी दर्ज करनी होगी।

अक्सीया टेक्नालॉजीस का सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर के रूप में चयन

-केरल की सॉफ्टवेयर कंपनी का बीएमडब्ल्यू से करार

नई दिल्ली । महंगी कारें बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू ने इंफोटेनमेंट सिस्टम डेवलप करने के लिए केरल स्थित टेक्नोपार्क-आधारित एक ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर कंपनी अक्सीया टेक्नालॉजीस को सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर के रूप में चयनित किया है। कंपनी ने जीपीएस एनेबल प्रोडक्ट के लिए ग्लोबल प्रोवाइजर गार्मीण को सॉफ्टवेयर डेवलप प्रोवाइडर के रूप में चुना है। इसके साथ ही अक्सीया बीएमडब्ल्यू के लिए इंफोटेनमेंट सिस्टम डेवलप करने के लिए जर्मनी स्थित एओएक्स टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर काम करेगी। बीएमडब्लयू ने मीडिया को जारी किए गए एक बयान में कहा है कि उसने गार्मीण के साथ एक कॉन्ट्रेक्ट साइन किया है। इसके तहत उसके इंजीनियर अब को जर्मनी में रहेंगे, जबकि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का काम केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित अक्सीया के डिलीवरी सेंटर में किया जाएगा।

बता दें कि अक्सीया केरल सरकार के एडिशनल कौशल अधिग्रहण कार्यक्रम के साथ जुड़ी रही है, ताकि उनके द्वारा पेश किए जाने वाले ऑटोमोटिव-संबंधित कोर्से को इनपुट दिया जा सके।इस मौके पर अक्सीया टेक्नालाजीस के सीईओ जिजिमोन चंद्रन ने कहा कि इस दौरान कंपनी को एक लंबे इवैल्यूऐशन प्रोसेस से गुजरना पड़ा और अंत में बीएमडब्ल्यू ने उन्हें चुना। उन्होंने कहा कि अक्सीया जर्मन कार कंपनियों के लिए एक प्रमुख ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट का काम करने वाली भारतीय कंपनियों में से एक थी। चंद्रन ने कहा कि इस कॉलोब्रेशन के साथ ग्लोबल ऑटोमोटिव क्षेत्र में हमारी पकड़ और मजबूत होगी। इस परियोजना की मदद अक्सीया के इंजीनियरों को विश्व स्तरीय ऑटोमोटिव ब्रांड के साथ काम करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अक्सीया के पास ऑटोमोटिव कार निर्माता और टियर-1 कंपनियों के लिए इंफोटेनमेंट और कनेक्टेड कार प्रोडक्शन प्रोग्राम डेवलप करने का काफी अनुभव है। कंपनी गार्मीण और एओएक्स के सहयोग से इस अनुभव का इस्तेमाल बीएमडब्ल्यू के लिए वर्ल्ड क्लास इंफोटेनमेंट और इंटीग्रेटेड कॉकपिट सिस्टम बनाने के लिए करेगी। वहीं, इस मैके पर ऑटोमोटिव ओईएम इंजीनियरिंग गार्मिन के उपाध्यक्ष क्रेग पुडर ने कहा कि एओएक्स के साथ अक्सीया, गार्मीण सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट पार्टनर बनने के बाद हमारी दक्षताओं को और मजबूती मिलेगी।

ऐपल की नई सीरीज़ सितंबर के दूसरे हफ्ते में होगी लॉन्च

मुंबई । ऐपल की नई सीरीज़ को सितंबर महीने के दूसरे हफ्ते में लॉन्च किया जाएगा। इस सीरीज़ के दो मॉडल के रिलीज़ टाइमफ्रेम को लेकर जानकारी मिली है। जानकारी के मुताबिक आईफोन 14 मैक्स और आईफोन 14 मैक्स प्रो एक महीने टल सकते हैं। आमतौर पर नए आईफोन लॉन्चिंग के दो हफ्ते के बाद ही खरीदारी के लिए उपलब्ध करा दिए जाते हैं, लेकिन आईओफ 14 मैक्स और आईफोन 14 प्रो मैक्स को थोड़ी देरी हो सकती है। कहा जा रहा है ऐपल आईफोन 14 सीरीज़ के बाकी दो मॉडल आईफोन 14 और आईफोन 14 प्रो को लॉन्चिंग के ठीक बाद उपलब्ध करा दिया जाएगा, लेकिन बाकी दो हाई-एंड मॉडल के साथ ऐसा नहीं है। हालांकि इस देरी की वजह को लेकर किसी तरह की कोई जानकारी नहीं है। आईफोन 14 सीरीज़ में भी कंपनी के पिछले दो सीरीज़ की तरह चार मॉडल होंगे, जिसमें आईफोन 14, आईफोन 14 मैकस, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स शामिल हो सकते हैं। लेकिन उम्मीद है कि एप्पल मिनी मॉडल को हटा देगा, और इस साल खरीदारों के लिए इसे मैक्स वेरिएंट पेश करेगा। इसका मतलब ये हुआ कि इसका वैनिला आईफोन 14 बाजार में बेस वेरिएंट के रूप में पेश किया जाएगा। टिपस्टर ने ये भी खुलासा किया है कि आईफोन14 मैक्स में डुअल 12-मेगापिक्सल शूटर होंगे। एप्पल के पास आईफोन 14 मैक्स के 128जीबी और 256जीबी स्टोरेज मॉडल हो सकते हैं, जबकि इस साल आईफोन 14 प्रो लाइनअप के लिए 2 टीबी जितना हाई एंड पर हो सकता है। लीक रिपोर्ट से ये भी हिंट मिला है कि आईफोन 14 मैक्स ए15 बायोनिक चिपसेट से लैस होगा, और साथ ही इसमें आईफोन13 लाइनअप की तरह हार्डवेयर मौजूद होगा। लेकिन 90 एचझेड रिफ्रेश रेट डिस्प्ले के साथ 6जीबी रैम अपग्रेड इसे खरीदारों को आकर्षित कर सकता है।

अनानास कई बीमारियों से राहत देगा जानिए यह सेहत के लिए कितना फायदेमंद है

अनानास का सेवन आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। अनानास का सेवन हमें कई बीमारियों से दूर रख सकता है। हालांकि अनानास स्वाद में थोड़ा खट्टा होता है, इसे आहार में शामिल किया जाना चाहिए। हम इसे अनानास के टुकड़े करके या रस बनाकर खा सकते हैं। अनानास का उपयोग प्राचीन काल से पाचन और सूजन की समस्याओं के लिए किया जाता रहा है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि यह सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

अनानास में एंजाइम ब्रोमेलैन होता है। यह पाचन समस्याओं पर काबू पाने में मदद करता है। यह फाइबर में उच्च है। यह कब्ज से बचाता है। अनानास खाने से भी आंतें स्वस्थ रहती हैं।

इम्युनिटी बढ़ाता है

अनानास में विभिन्न प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ा देता है। इसके अलावा, इसके विरोधी भड़काऊ गुण सूजन को कम करने में मदद करते हैं। अनानास खाने से वायरल और बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा भी कम होता है।

गठिया

बुढ़ापे में गठिया एक आम समस्या है। इस समय जोड़ों में सूजन आ जाती है। इसमें विरोधी भड़काऊ गुण होते हैं, जो सूजन और गठिया वाले लोगों में दर्द से राहत देता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

अनानास कैल्शियम और मैंगनीज सहित कई पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है। ये पोषक तत्व ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद करते हैं और इसे मजबूत बनाते हैं।

त्वचा

विटामिन सी और बीटा कैरोटीन से भरपूर, ये फल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आप इसे खा सकते हैं या सीधे त्वचा पर लगा सकते हैं। यह सूरज की हानिकारक किरणों से लड़ने, झुर्रियों को कम करने और त्वचा में सुधार करने में मदद करता है।

दुर्बलता

अनानास में आयरन होता है। यह शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाता है। यह रक्त निर्माण में मदद करता है। तो यह कमजोरी से छुटकारा पाने में मदद करता है।

तपिश

अनानास में औषधीय गुण होते हैं। यदि आपके पास जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार बुखार है, तो आप अनानास के रस के साथ मिश्रित शहद पी सकते हैं। यह बुखार को कम करता है। अनानास में मौजूद यौगिक कैंसर से लड़ने में भी मदद करता है।

आज भी बला की खूबसूरत नजर आती है रिया सेन

बंगाली ब्यूटी के नाम से मशहूर रिया सेन आज भले ही फिल्मों में कम दिखाई देती हो लेकिन उनकी खूबसूरती में कोई कमी नहीं आई है। 40 पार की उम्र में भी रिया सेन की खूबसूरती में कोई कमी नहीं आई है। वो आज भी अपनी हॉटनेस से इंटरनेट पर तापमान बढ़ा देती हैं। उनका सोशल मीडिया अकाउंट ऐसी ग्लैमरस तस्वीरों से भरा पड़ा है। वैसे रिया पिछले कुछ समय से सिल्वर स्क्रीन से दूर हैं। हालांकि इसके पीछे की वजह काम की कमी नहीं है बल्कि उन्होंने ही कई प्रोजेक्ट्स को करने से मना कर दिया। दरअसल रिया सेन को ज्यादातर ऑफर बोल्ड फिल्मों के लिए मिल रहे थे। जबकि रिया अब ऐसी किरदार नहीं निभाना चाहती हैं। इसलिये उन्होंने उन्होंने इन फिल्मों के ऑफर को ना कह दिया। बावजूद इसके रिया की पॉपुलारिटी में कभी कोई कमी नहीं आई है। उनको ग्लैमरस तस्वीरें आए दिन वायरल होती रहती हैं। आपको बता दे कि रिया सेन एक फ़िल्मी परिवार से आती हैं। उनकी नानी सुचित्रा सेन और मां मुनमुन सेन एक एक्ट्रेस रही हैं जबकि उनकी राइमा सेन भी एक एक्ट्रेस हैं।

विद्युत जामवाल ने अपना प्रोडक्शन एक्शन हीरो फिल्म्स किया लॉन्च

फिल्मी जगत में 10 साल पूरा करने पर बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल ने अपने प्रोडक्शन एक्शन हीरो फिल्म्स का शुभारंभ किया। विद्युत ने कहा, दर्शकों ने मेरे हर किरदार को प्यार किया है और इस बार मैं उनके आशीर्वाद से एक निर्माता की भूमिका निभा रहा हूं। मुझे जितना अच्छा मिला उतना देने की मेरी बारी है। मैं इसे प्रतिभाशाली लोगों को सशक्त बनाने के एक अवसर के रूप में देखता हूं। मैं विश्व सिनेमा में एक्शन हीरो फिल्म्स के पैर जमाने के लिए नई ऊर्जा के साथ काम कर रहा हूं। मेरे साथ खड़े रहने के लिए विद्युत जामवाल ने सभी फैंस का धन्यवाद किया। यह उनका मील का पत्थर है जितना कि यह मेरा है। अभिनेता ने अपने प्रोडक्शन हाउस को लॉन्च किया, जिसमें अब्बास सैय्यद सह-निर्माता हैं। विद्युत ने अप्रैल 2011 में तेलुगु फिल्म शक्ति से अपने करियर शुरूआत की और कुछ महीने बाद बॉलीवुड में कदम रखा और उसी साल निशिकांत कामत की जॉन अब्राहम-स्टारर फोर्स में विलेन की भूमिका निभाई थी।

मैं सिनेमाघरों में वापस जाने के लिए मर रही हूं: अतिति राव हैदरी

कोरोना महामारी के डर ने आम लोगों के साथ साथ अभिनेताओं को भी घर में कैद कर दिया है। दूसरी सेवाएं भी बंद होती जा रही हैं। वहीं अभिनेत्री अदिति राव हैदरी का कहना है कि ओटीटी दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए बहुत अच्छा काम कर रही हैं, लेकिन वह बड़े पर्दे को मिस कर रही हैं। अभिनेता का कहना है कि सिनेमाघरों में जादू की भावना है, जो हमेशा से रहा है और कभी नहीं जाएगा। अदिति ने बताया, मैं थिएटर को मिस करती हूं, क्योंकि थियेटर से लगाव है, पूरे बचपन की याद है और बहुत ही शानदार अनुभव रहा है। आप वहां जाकर आप दुनिया का हिस्सा बन जाते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले साल से ओटीटी प्लेटफार्मों को वास्तव में प्रमुखता मिली है। उन्होंने कहा, लॉकडाउन में ओटीटी प्लेटफॉर्म हमारे सबसे अच्छे दोस्त रहे हैं। ओटीटी के साथ, अद्भुत लेखन, कंटेंट और दर्शकों ने जिस तरह से कंटेंट का उपभोग किया है, वह वास्तव में अविश्वसनीय है। प्लेटफॉर्म ने लोगों को काम करने के लिए बहुत कुछ दिया है। बेशक मैं थिएटरों में वापस जाने के लिए मर रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा समय आएगा जब थिएटरों की अहमियत होगी और ओटीटी की भी अहमियत होगी, क्योंकि सभी मंच अपने तरीके से शक्तिशाली हैं। उन्होने आगे कहा, लेखकों, निर्देशकों, अभिनेताओं के लिए इसने (ओटीटी) कहानियों के संदर्भ में एक नई दुनिया खोली है, जो केवल ओटीटी के लिए बन सकता है, कई बार, नाटकीय फिल्में अलग तरीके से बनाई जाती हैं। एक निर्माता इसे बेहतर ढंग से बता सकता है कि यह कैसे बनाई जाती हैं। ओटीटी अलग है क्योंकि दबाव अलग है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा, एक कलाकार के रूप में मेरे पास एक ही जुनून और एक ही प्यार है। यह सिर्फ एक माध्यम है और जिस तरह से यह प्रत्येक मंच के लिए किया जाता है, वह एक सभी निर्माता और पैसों के लिए है। मेरा मानना है कि विविधता अधिक हो सकती है और जिस तरह के विषय पर लोग फिल्में और शो बना रहे हैं।

भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल

सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने विज्ञापनों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गाइडलाइन के मुताबिक अब भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अथॉरिटी ने सरोगेट एडवर्टाइजमेंट पर भी प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। नए दिशा निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। यदि विज्ञापनों में दी गई जानकारी प्रोडक्ट में नहीं पाई जाती है, तो उन विज्ञापनों को भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। जो विज्ञापन उनके डिस्क्लेमर से भिन्न होते हैं, उन्हें भी भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। इसके अलावा, यदि कोई सेलिब्रिटी किसी विज्ञापन में कुछ दावा कर रहा है और वह सही नहीं पाया जाता है तो वह विज्ञापन भी भ्रामक विज्ञापन श्रेणी के अंतर्गत आता है। पहले समझते हैं कि सरोगेट विज्ञापन क्या होता है? दरअसल अक्सर टीवी पर किसी शराब, तंबाकू या ऐसे ही किसी प्रोडक्ट का ऐड देखा होगा, जिसमें प्रोडक्ट के बारे में सीधे न बताते हुए उसे किसी दूसरे ऐसे ही प्रोडक्ट या पूरी तरह अलग प्रोडक्ट के तौर पर दिखाया जाता है। जैसे शराब को अक्सर सोडे के तौर पर दिखाया जाता है। गुटखा के प्रचार के लिए इलायची का सहारा लिया जाता है। खानपान हो, प्रसाधन, चिकित्सा, घरेलू साजो-सामान या जीवन से जुड़ी दूसरी चीजें, मीडिया में उनका बढ़-चढ़ कर विज्ञापन किया जाता है। हर उत्पाद गुणवत्ता में अपने को दूसरे से बेहतर बताता है। इसके लिए नामचीन हस्तियों की मदद ली जाती है, ताकि आम उपभोक्ता का उत्पाद संबंधी दावों पर भरोसा मजबूत हो। मगर अनेक परीक्षणों और जांचों में पाया गया कि विज्ञापन में किए गए दावे हकीकत से काफी दूर होते हैं। कई बार उन वस्तुओं के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव भी देखे गए हैं। इसी के मद्देनजर उपभोक्ता कानून में बदलाव किया गया। अब भ्रामक विज्ञापन देने वाली कंपनियों के साथ-साथ विज्ञापन करने वाली हस्तियों को भी दंड का भागी बनाया जा सकता है। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के इस दौर में विज्ञापन का प्रभाव समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में भ्रामक विज्ञापन भी धड़ल्ले से दिखाए जा रहे हैं। यही वजह है कि शराब-गुटखा का सेवन करने, छरहरा और आकर्षक बनाने, यौन शक्ति बढ़ाने जैसे भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आ गई है। एक सर्वे के मुताबिक, देश में एक आम आदमी रोजाना करीब 3 घंटे टीवी देखता है और इस दौरान करीब 600 विज्ञापनों को चाहे-अनचाहे देख डालता है। इसके अलावा पत्रिकाओं, अखबारों, सिनेमा, इंटरनेट के विविध जरियों और सड़क किनारे लगे बड़े-बड़े होर्डिंग्स के माध्यम से भी सैकड़ों विज्ञापन उसकी आंखों के सामने से गुजरते हैं। वे उसके जेहन में कहीं जाकर अटक जाते हैं, जिन्हें कोई मशहूर हस्ती, जैसे फिल्म अभिनेता और मशहूर खिलाड़ी किसी बड़े दावे के साथ पेश कर रहा होता है। यही भरोसा विभिन्न उत्पाद बनाने वाली कंपनियां तलाश करती हैं और इसी के लिए वे हस्तियों को अपने विज्ञापनों में लाने के लिए करोड़ों खर्च करती हैं। देश में विज्ञापनों पर खर्च हो रहे सालाना 45 हजार करोड़ रुपए में से ज्यादातर हिस्सा ये मशहूर हस्ती ऐसे दावों के बहाने ले जाती हैं, पर क्या हो अगर वे दावे गलत निकल जाएं? क्या सितारे या मशहूर हस्तियां तब इस संबंध में अपनी कोई जिम्मेदारी वहन करेंगी? अमेरिका में फेडरल कंज्यूमर एक्ट ऐसे भ्रामक विज्ञापनों के लिए संबंधित हस्तियों को भी दोषी मानकर कार्रवाई की इजाजत देता है। कुछ ऐसे ही कानून चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में भी हैं, जहां गुमराह करने वाले या धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों में दिखने वाली हस्तियां भी कानून के दायरे में आती हैं।

श्रीरामचरितमानस में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

(श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग)

सिव पद कमल जिन्हहि रति नाहीं। रामहि ते सपनेहुँ न सोहाहीं।।
बिनु छल बिस्वनाथ पद नेहू। राम भगत कर लच्छन एहू।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड 104-3

दो.- संकरप्रिय मम द्रोही सिव द्रोही मम दास।
ते नर करहिं कलप भरि घोर नरक महुँ बास।।
श्रीरामचरितमानस लंकाकाण्ड दोहा

श्रीराम एवं शिवजी का आपस में एक-दूसरे के प्रति घनिष्ठ प्रेम-भक्ति-श्रद्धा जगत् प्रसिद्ध है। शिवजी श्रीरामकथा श्रवण करने हेतु महर्षि अगस्त्य के आश्रम गए तथा सतीजी सहित श्रीरामकथा का श्रवण किया। सतीजी शिवजी के समझाने के उपरान्त श्रीराम के चरित्र एवं उनकी लीलाओं को पहिचान नहीं सकी। अंत में उनकी परीक्षा लेने चली गई। श्रीरामजी की लीला-परीक्षा लेकर लौट आईं। सतीजी ने शिवजी से परीक्षा की बात बताई नहीं। शिवजी ने ध्यान लगने पर सब जान लिया। सतीजी द्वारा सीताजी का रूप धारण करने के कारण शिवजी को उन्हें त्यागना पड़ा। तत्पश्चात् दक्ष प्रजापति जो कि सतीजी के पिता थे वहाँ शिवजी का यज्ञ में भाग न होने से योगाग्नि में शरीर भस्म कर दिया।

सतीं मरत हरि सन बरू मागा। जनम जनम सिव पद अनुरागा।।
तेहि कारन हिमगिरि गृह जाई। जनमीं पारबती तनु पाई।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड 65-3

सतीजी ने मरते समय भगवान् श्रीहरि से यह वर माँगा कि उनका जन्म-जन्म में शिवजी के चरणों में अनुराग रहे। इसी कारण उन्होंने हिमाचल के घर जाकर पार्वती (गौरी-उमा) के रूप में जन्म लिया। श्रीरामकथा में श्रीराम-विवाह का अत्यन्त सुन्दर वर्णन है। अतः उनके इष्ट देव शिवजी के विवाहोत्सव का आनन्द भी होना आवश्यक है। अतः नई पीढ़ी एवं सुधीजनों के लिए शिव-पार्वती विवाह का कथा प्रसंग दिया जा रहा है।

जब तें उमा सैल गृह जाईं। सकल सिद्धी संपति तहँ छाईं।
जहँ तहँ मुनिन्ह सुआश्रम कीन्हे। उचित बास हिम भूधर दीन्हे।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड 65-4

जब से उमाजी हिमालय के घर जन्मी तब से वहाँ सारी सिद्धियाँ एवं सम्पत्तियाँ छा गई। मुनियों ने भी जहाँ-तहाँ सुन्दर आश्रम बना लिए और हिमाचल ने उनको उचित स्थान दिए। उस सुन्दर पर्वत पर अनेक प्रकार के वृक्ष सदा पुष्प फलयुक्त हो गए। सारी नदियों में पवित्र जल बहने लगा और पशु-पक्षी, भ्रमर सभी सुखी हो गए। सभी जीवों ने अपना स्वाभाविक बैर (शत्रुता) त्याग दी और पर्वत पर सभी परस्पर प्रेम करने लग गए।

जिस प्रकार श्रीराम की भक्ति को प्राप्त कर भक्त शोभायमान हो जाता है, उसी प्रकार पार्वतीजी के हिमाचल के घर आ जाने से पर्वतराज शोभायमान हो गए। नारदजी ने जब उमा के जन्म का समाचार सुना तो वे एकाएक हिमाचल के घर पधार गए। हिमाचल ने उनका आदर-सम्मान किया और चरण धोकर उनको उत्तम आसन दिया। हिमाचल ने पुत्री को बुलाकर मुनि के चरणों में डाल दिया। हिमाचल ने कहा- हे मुनीश्वर! आप त्रिकालदर्शी और सर्वज्ञ है। अतः आप हृदय में विचारकर कन्या के गुण-दोष बताइए। नारदजी ने हँसकर बड़े ही रहस्यपूर्ण कोमल वाणी से कहा- तुम्हारी यह कन्या सब गुणों की खान है। यह स्वभाव से ही सुन्दर, सुशील और समझदार है। उमा, अम्बिका और भवानी इनके नाम हैं। यह अपने पति को सदैव प्यारी (प्रिया) रहेगी। इसका सुहाग सदा अचल रहेगा और इसके माता-पिता यशस्वी होंगे।

अब इसमें जो दो चार अवगुण हैं उन्हें भी सुन लो। गुणहीन, मानहीन, माता-पिता विहीन, उदासी, संशयहीन (चिन्ता न करने वाला) वह होगा।

दो.- जोगी जटिल अकाम मन नगन अमंगल वेष।
अस स्वामी एहि कहँ मिलिहि परी हस्त असि रेख।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड दो. 67

योगी, जटाधारी, निष्काम हृदय, नंगा और अमंगल वेषवाला ऐसा पति इसको मिलेगा। इसके हाथ में ऐसी ही रेखा है।

नारदजी की वाणी सुनकर हिमवान् और मैना को दुःख हुआ तो दूसरी ओर पार्वती प्रसन्न हो रही थी। नारदजी ने यह सब कहा किन्तु इस रहस्य को जान नहीं पाए। देवर्षि नारद के वचन असत्य नहीं हो सकते यह जानकर पार्वतीजी ने उन वचनों को हृदय में धारण कर लिया। उमाजी को शिवजी के चरणकमलों में प्रेम उत्पन्न हो गया। देवर्षि नारदजी की भविष्यवाणी असत्य न होगी, यह विचार कर हिमवान्, मैना और सभी चतुर सखियाँ चिन्ता करने लगी। पर्वतराज हिमवान् ने देवर्षि नारदजी से कहा- हे नाथ कहिये अब क्या उपाय किया जाए।

दो.- कह मुनीस हिमवंत सुनु जो बिधि लिखा लिलार।
देव दनुज नर नाग मुनि कोउ न मेट निहार।।
श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड दो. 68

मुनीश्वर नारदजी ने कहा- हे हिमवान सुनो, विधाता ने ललाट पर जो कुछ लिख दिया है उसको देवता, दानव, मनुष्य, नाग और मुनि इनमें से कोई भी मिटा सकते हैं। नारदजी ने कहा उन्होंने जो दोष बतलाए हैं, उनके अनुमान से वे सभी शिवजी में हैं। यदि उमा का विवाह शिवजी के साथ हो जाए तो दोषों को भी सब लोग गुणों के समान कहेंगे। जैसे विष्णु भगवान शेष नाग की शय्या पर सोते हैं तो भी पंडित उनको कोई दोषारोपण नहीं करते हैं। इसी प्रकार सूर्य एवं अग्निदेव अच्छे-बुरे सभी रसों का भक्षण करते हैं किन्तु उनको कोई बुरा नहीं कहता है।

शिवजी सहज ही समर्थ हैं क्योंकि वे भगवान् हैं। महादेव हैं, इसलिए इस विवाह में सब प्रकार का कल्याण है। महादेवजी की आराधना बहुत कठिन है किन्तु तप करने से वे बहुत शीघ्र प्रसन्न और सन्तुष्ट हो जाते हैं। यदि तुम्हारी कन्या तप करे तो त्रिपुरारी महादेवजी इस होनहार को मिटा सकते हैं। इस कन्या के लिए शिवजी को छोड़कर दूसरा कोई वर नहीं है। इतना कहकर नारदजी ने पार्वतीजी को आशीर्वाद दिया तथा ब्रह्मलोक चले गए। पति को एकान्त में ले जाकर मैना ने कहा- हे नाथ मैंने मुनि (नारदजी) के वचनों का अर्थ नहीं समझा। अतः आप जो हमारी कन्या के अनुकूल घर, वर और कुल उत्तम हो विवाह कीजिए। यदि पार्वती के लिए योग्य वर न मिला तो सब लोग कहेंगे कि पर्वत स्वभाव से ही जड़ (मूर्ख) होते हैं। हे स्वामी! इस बात को दृष्टिगत रखते हुए ही विवाह कीजिएगा, ताकि हमें बाद में हृदय में संताप न हो। इस प्रकार इतना कहकर मैना पति के चरणों पर मस्तक रखकर गिर पड़ी। तब हिमवान् ने प्रेम से कहा- चाहे चन्द्रमा में अग्नि प्रकट हो जाए किन्तु नारदजी के वचन असत्य नहीं हो सकते हैं।

हिमवान् ने मैना से कहा कि अब यदि तुम्हें कन्या पर प्रेम है तो जाकर उसे यह समझाओ कि वह ऐसा तप करें कि जिससे उसे शिवजी मिल जाए। पार्वती ने माँ से कहा- तुम सुनो मैंने ऐसा स्वप्न देखा है कि मुझे एक सुन्दर गौर वर्ण श्रेष्ठ ब्राह्मण ने ऐसा उपदेश दिया है कि हे पार्वती! नारदजी ने जो कुछ कहा है उसे सत्य समझकर तू जाकर तप कर। तप सुख देने वाला और दुःख दोष नाश करने वाला होता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है।

इस्लामी देशों का षड़यंत्र.... खतरे में खड़ा गणतंत्र....?

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय गणतंत्र आज करबद्ध होकर अपने आराध्य के सामने 'रघुपति राघव राजाराम' (भजन) की एक ही पंक्ति बार-बार दोहरा रहा है.... ''अल्ला-ईश्वर तेरो नाम.... सबको सन्मति दे भगवान।'' पता नहीं हमारे शांतिप्रिय देश पर किसकी नजर लग गई, आज पूरा देश हिन्दू मुस्लिम वर्ग का कुरूक्षेत्र बन गया है, मुस्लिम देशों की साजिश यहां अपने खूनी रंग दिखा रही है और देश की सरकार मौन दर्शक बनी बैठी है? हमारे देश की नरेन्द्र मोदी सरकार ने पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पश्चिमी देशीय नीतियों को ही जारी रखा और रिश्तों को पहले से भी मजबूत व बेहतर बनाने का भरसक प्रयास भी किए इससे हमें यह गलतफहमी हो गई कि इस्लामी देशों की ओर से हमारे आक्रामक हिन्दू दर्शन को कोई खतरा नहीं है और न ही कोई आलोचक है, ऐसी हमारी आत्म मुग्धता की स्थिति ही हमें डुबा रही है और दुर्भाग्यवश विदेश मंत्रालय की दलीलें भी भरोसा दिलाने वाली नहीं रही है।

वास्तव में आज पूरे देश की स्थिति गंभीर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गई है, भारत का कोई भी प्रमुख शहर इस विस्फोटक स्थिति से अछूता नहीं बचा है। शायद ऐसी साम्प्रदायिक स्थिति पिछले पचास वर्षों में पहली बार बन रही है, पहले मंदिर-मस्जिद काण्ड हुए, कुतुब मीनार से लेकर मथुरा तक मस्जिक में मंदिर पर विवाद चला और अब भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पैगम्बर मोहम्मद सम्बंधी आपत्तीजनक बयान ने चिंगारी का काम किया और उसी के फलस्वरूप आज पूरा देश दावानल के द्वार पर खड़ा होने को मजबूर है। यद्यपि इस चिंगारी की जन्मदात्री नुपूर का तो कुछ नहीं बिगड़ा उसे पार्टी व प्रवक्ता पद से हटाने की औपचारिकता की गई, गिरफ्तारी का भी नाटक किया, किंतु देश में आज जो कुछ भी चल रहा है उसके लिए नुपूर से अधिक सरकार दोषी है जिसने इस स्थिति को रोकने में कोई सार्थक कदम नहीं उठाया, उल्टे वह इस मामले में चूक पर चूक करती गई, नुपूर के आपत्तीजनक बयान पर खाड़ी देशों के गुस्से को समझने में हमारी सरकार विफल रही, इस मामले में जब तक कड़ी प्रतिक्रिया नहीं मिली तब तक हमारे विदेश मंत्रालय ने मामले में हस्तक्षेप करना जरूरी ही नहीं समझा, प्रधानमंत्री व गृहमंत्री ही नहीं विदेशमंत्री और भाजपाध्यक्ष भी इस गंभीर स्थिति पर मौन ही रहे, मस्कट और कुवैत में भाजपा के प्रेसनोट को सरकारी प्रेसनोट के तौर पर माना गया, भारत सरकार ने मुस्लिम देशों को भरोसा दिया कि वह नुपूर शर्मा पर कड़ी कार्यवाही करेगा, किंतु पार्टी व प्रवक्ता पद से हटाने के अलावा कोई कार्यवाही नहीं की गई, विदेश मंत्रालय न तो एनडीए सरकार और न ही भाजपा सरकार बल्कि मोदी सरकार के आठ सासल पूरे होने व उपलब्धियों का ढ़िंढोरा पीटता रहा, उसने इस मसले को गंभीरता से लिया ही नहीं? और फिर आज जब पूरा देश ही दो प्रमुख वर्गों के लिए 'कुरूक्षेत्र' बन गया है, तब भी मोदी सरकार मौन दर्शक बनी बैठी हुई है। भारत सरकार ने एक ओर जहां इस पूरी स्थिति की ओर से अपनी आँखें मूंद ली वही भारत में जो कुछ हो रहा है उसके पलटवार के रूप में इस्लामी देशों ने भी बदले स्वरूप कुछ कदम उठाये कतर के डिप्टी अमीर ने भारतीय उपराष्ट्रपति के सम्मान में दिया जाने वाला भोज निरस्त किया, अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी 'मानवाधिकार' 2021 कंट्री रिपोर्ट में मोदी सरकार पर के सामने प्रश्नचिन्ह खड़े करके मोदी व उनकी सरकार की पूरे विश्व में बदनामी की गई। मोदी जी ने अप्रैल माह में विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक की जमकर तारीफ की थी, उन्हीं महानिदेशक महोदय ने बदले में मई में अमेरिका की इस रिपोर्ट को विश्वभर में सार्वजनिक किया, जिसमें भारत में कविड से सत्तर लाख मौतों का फर्जी आंकड़ा बताया गया था और भारत सरकार ने इस पर अपना विरोध दर्ज कराया था। इन सब उदाहरणों को देखते हुए यदि यह कहा जाए कि भारतीय विदेश मेंत्रालय खाड़ी देशों और अमेरिका जैसे कथित महाशक्ति को समझने में असफल रहा, तो कतई गलत नहीं होगा? इन्हीं सब स्थितियों के चलते आज विश्व के मुस्लिम देश भारत को आईना दिखा रहे है और हम उन्हें माकूल जवाब देने की जगह केवल मौन साधे बैठे हुए है, अब इन्ही देशों की यह साजिश है कि भारत में इतने अधिक साम्प्रदायिक संघर्ष करवा दिए जाए कि भारत को किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय आपसी सम्बंधों पर चिंतन का मौका ही नहीं मिले और भारत पूरे विश्व पटल पर एक साम्प्रदायिक देश की शक्ल में नजर आने लगे, फिलहाल ये भारत विरोधी देश अपनी चालों में सफल होते नजर आ रहे है और यदि भारत सरकार का यही मौनी रवैया आगे भी जारी रहा तो हमें ये षड़यंत्रकारी देश बदनामी के शिखर पर लाकर खड़ा कर देगें।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

सूडोकु नवताल- 6102

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6101 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की समस्या से निपटने के लिए वरिष्ठ नागरिकों, उनकी देखभाल करने वालों और सरकारों को एक साथ लाता है। इस दिन का उद्देश्य बड़ों के शारीरिक, भावनात्मक और वित्तीय शोषण की समस्या पर वैश्विक ध्यान केंद्रित करना है। विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस हर साल 15 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाता है. यह दिन बुजुर्ग लोगों के साथ दुर्व्यवहार और पीड़ा के विरोध में आवाज उठाने के लिए मनाया जाता है. इस दिन का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के समुदायों को बुजुर्गों के दुर्व्यवहार और उपेक्षा को प्रभावित करने वाली सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करके दुर्व्यवहार और उपेक्षा की बेहतर समझ को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करना है.

संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 66/127 के परिणामस्वरूप इस दिवस के आयोजन की शुरुआत हुई थी। जैसे-जैसे दुनिया में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, वैसे-वैसे उनके साथ दुर्व्?यवहार की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यह एक गंभीर सामाजिक बुराई है जो मानव अधिकारों को प्रभावित कर रही है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र भी जागरूकता के जरिए इसे रोकने के लिए प्रयासरत है। समाज की विद्रूपता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब ज्यादातर घरों में बेटे, बेटियों को अपने बूढ़े मां-बाप बोझ मानने लगे हैं। यह बात महज खयाली नहीं, एक हकीकत है। एक सर्वे में पाया गया है कि 35 फीसद लोगों को बुजुर्गों की सेवा करने में अब खुशी महसूस नहीं होती।

बुजुर्गों को घर में नहीं रखना चाहते 29 फीसद लोग: एक चौथाई लोगों को बुजुर्गों की देखरेख करने में निराशा और कुंठा होती है। 29 फीसद लोग अपने बुजुर्गों को घर में रखने के बजाय वृद्धाश्रम में रखना पसंद करते हैं ।

25 फीसद लोगों को बुजुर्गों के व्यवहार से होती है फ्रस्टेशन: भारत में बुजुर्गों खासकर 60 साल या उससे अधिक की उम्र वाले लोगों की आबादी में 2050 तक करीब 20 फीसद का इजाफा हो सकता है। 25 फीसद लोगों को बुजुर्गों के व्यवहार से निराशा और फ्रस्टेशन होती है। यह हालात है टीयर-1 और टीयर-2 जैसे शहरी समाज का। 29 फीसद लोगों ने बुजुर्गों की सेवा को मध्यम से गंभीर महसूस किया जबकि 15 लोगों ने इसे बोझ माना।

देश में एक चौथाई बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर: मां-बाप बड़े अरमानों से बच्चों को पढ़ा लिखाकर काबिल बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन हैरानी तब होती है जब बुढ़ापे में ये ही बच्चे मां-बाप को उनके हाल पर अकेला छोड़ देते हैं। पिछले साल दिल्ली के एक गैर सरकारी संगठन एजवेल फाउंडेशन ने देश के 20 राज्यों के 10 हजार बुजुर्गों पर एक सर्वेक्षण किया था। इसकी रिपोर्ट डराने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, 23.44 फीसद यानी देश का का हर चौथा बुजुर्ग देश में अकेला रहने को मजबूर है। ऐसा भी नहीं कि यह बुराई शहरों तक सीमित है। रिपोर्ट कहती है कि 21.38 फीसद बुजुर्ग गांवों में जबकि 25.3 फीसद शहरों में अकेले रह रहे हैं।

बुजुर्ग बोझ नहीं, आदर, सेवा और सम्मान के अधिकारी: वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो बुढ़ापा एक अनिवार्य शारीरिक आवस्था है, ऐसे में युवाओं को एक बात बड़ी गहराई से बैठा लेनी होगी कि उन्हें भी समय के इस चक्र के गुजरना होगा। ऐसे में युवा पीढ़ी के सामने सामाजिक व्यवस्था को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है। युवाओं को बुजुर्गों की सेवा के संस्कार को बनाए रखना होगा। साथ ही आने वाली पीढ़ी को बताना होगा कि बुजुर्ग बोझ नहीं हैं। आदर, सम्मान और सेवा उनका अधिकार है, इससे उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता है। नई पीढ़ी को यह भी बताना होगा कि बुजुर्गों का तिरस्कार एक अपराध है।

ये आंदोलन का मुद्दा है क्या ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कांग्रेस आजकल राजनीतिक पार्टी की बजाय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनती जा रही है, इसका ताजा प्रमाण फिर सामने आ रहा है। 'नेशनल हेराल्ड' के मामले में सोनिया गांधी और राहुल को प्रवर्तन निदेशालय के सामने जांच के लिए पेश होना पड़ रहा है। हो सकता है कि जांच में दोनों बिल्कुल खरे उतरें। वैसे देश में मुझे तो एक भी नेता ऐसा दिखाई नहीं पड़ता जो कि दूध का धुला हो। कोई न कोई धांधली, ठगी, रिश्वत या दादागीरी का दांव मारे बिना कोई भी नेता अपनी दुकान कैसे चला सकता है? फिर भी हम मानकर चल सकते हैं कि राहुल और सोनिया बिल्कुल बेदाग निकलेंगे तो भी असली सवाल यह है कि किसी जांच एजेंसी के सामने पेश होने में उन्हें एतराज क्यों होना चाहिए? यदि कानून सबके लिए एक-जैसा है तो वह उन पर भी लागू क्यों न हो? वे अपने आप को कानून से ऊपर समझते हैं, क्या? यदि वे निर्दोष हैं तो कोई जांच एजेंसी सत्तारुढ़ नेताओं की कितनी ही गुलाम हो, उन्हें किसी से डरने की क्या जरुरत है? भारत की न्यायपालिका आज भी निर्भीक और स्वतंत्र है। वह उनके सम्मान की रक्षा अवश्य करेगी लेकिन इस जांच को लेकर पूरी कांग्रेस जिस तरह से सड़क पर उतर आई है, वह अपना मजाक बनवा रही है। इससे कई बातें सिद्ध हो रही हैं। पहली तो यह कि कांग्रेस अपने सिर्फ दो नेताओं, माँ और बेटे को बचाने के लिए जिस तरह जन-आंदोलन पर उतर आई है, उससे लगता है कि उसके पास जनहित का कोई और मुद्दा है ही नहीं। अपने नेताओं को बचाना ही उसके लिए सबसे बड़ा जनहित है। दूसरा, उसने जन-आंदोलन की राह अपनाकर भाजपा सरकार के प्रति जनता को जो शिकायत हो सकती थी, उस पर ढक्कन लगा दिया है। ज़रा याद करें कि चरणसिंह सरकार ने जब इंदिरा गांधी को गिरफ्तार किया था तो उस सरकार की इज्जत कैसे पैंदे में बैठ गई थी। यही अब भी होता लेकिन मां-बेटे ने यह प्रदर्शन करवाकर भाजपा सरकार के हाथ मजबूत कर दिए हैं। तीसरा, लोगों को आश्चर्य है कि कांग्रेस की हालत मायावती की बसपा की तरह क्यों होती जा रही है? उसके पास न तो योग्य नेता हैं और न ही प्रभावशाली नीति है। इसी का नतीजा है कि राष्ट्रपति के चुनाव में उम्मीदवार के लिए किसी कांग्रेसी नेता का नाम सामने नहीं आ रहा है। सारे विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर एक करने में भी कांग्रेस को सफलता नहीं मिल रही है। यद्यपि कांग्रेस के कुछ मुख्यमंत्री काफी सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं। पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदिन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

- किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देंने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।
- अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।
- दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।
- अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।
- बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।
- बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।
- कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।
- बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।
- यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में रिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

1 गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।

2 पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।

3 लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

- बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।
- बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्राइंग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

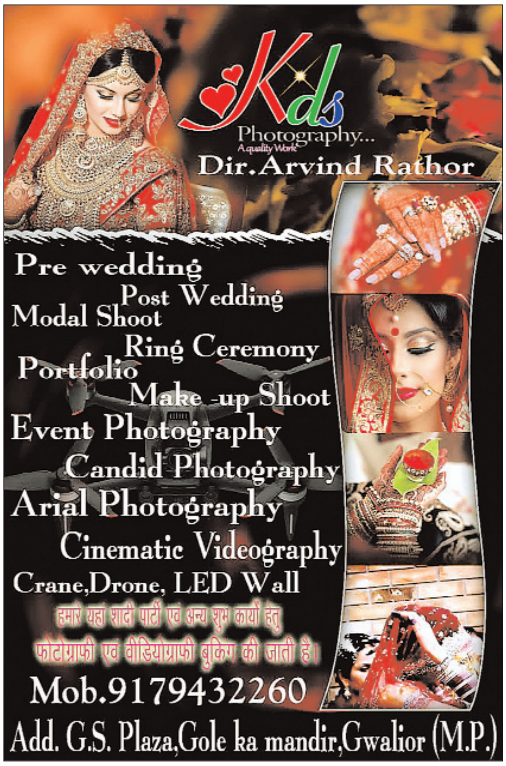

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता।

ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची,बादाम खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है। ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है

दुनिया को अलविदा कहने से पहले वृद्ध कर गए देह दानः रघुवर दयाल गोहिया

भोपाल/विदिशा मध्य प्रदेश के विदिशा जिला मुख्यालय में स्थित श्री हरि वृद्ध आश्रम के 77 वर्षीय बुजुर्ग श्री बाल मुकुंद मैथिल का अटल विहारी बाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज में उपचार के चलते निधन हो गया। इसके पहले उन्होंने कुछ माह पूर्व अपना देह दान कर दिया था।

अपनी मृत्यु पूर्व ही उन्होंने चिकित्सा शिक्षा की मदद हेतु वृद्ध आश्रम प्रबंधन की प्रेरणा से अपनी देह दान की इच्छा जताई थी और संकल्प पत्र भर दिया था। जिस पर उनकी पत्नी श्रीमती मिथलेश मैथिल ने स्वीकृति दी थी।

ज्ञातव्य हो कि निर्धन ओर बेसहारा वृद्ध श्री बाल मुकुंद मैथिल 16 अक्टूबर 2020 को सपत्नीक विदिशा के ही शासकीय चिकित्सालय से अपनी पत्नी श्रीमती मिथलेश मैथिल के सर के घाव के इलाज के दौरान आश्रम संचालक श्रीमति इंदिरा शर्मा और श्री वेद प्रकाश शर्मा उन्हें वृद्ध आश्रम ले आए थे। तभी से दोनों पति पत्नी आश्रम में ही निवास कर रहे थे। उनकी पत्नी अत्यंत घायल अवस्था मे आश्रम आयी थीं। उनके सर में लगी गहरी चोट के घाव में कीड़े पड़ गए थे जिसे आश्रम प्रबंधन ने अपने हाथों से मरहम पट्टी कर डाक्टर राजीव जैन की मदद से उन्हें 3 महीने में ठीक किया था। दोनों पति पत्नी ही एक दूसरे का सहारा थे और एक दूसरे से अत्यंत प्रेम करते थे। निःसंतान होने और गरीबी के चलते इन्हें श्री हरि वृद्ध आश्रम में रहने का सौभाग्य मिला।

जीवन के अंतिम पड़ाव में भी उनकी पत्नी श्रीमति मिथलेश मैथिल उन्हें प्यार से आई लव यू कहतीं तो आश्रम के सारे बुजुर्ग प्रसन्न होकर खिलखिला कर हंस देते थे।

आज उनकी पत्नी अकेली रह गयी हैं।

स्व. बाल मुकुंद का पूर्ण सम्मान के साथ चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल में देह दान किया गया। इस अवसर पर मेडिक्ल सुप्रिडटेंडेंट आशुतोष मंगलगिरी, एनाटॉमी विभाग की डॉक्टर रश्मि, देह दान एसोसिएशन के प्रणेता डॉक्टर राकेश भार्गव, आश्रम संचालक श्रीमति इंदिरा शर्मा, श्री वेद प्रकाश शर्मा, पत्रकार और समाज सेविका सुश्री केशर जहां एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

ग्वालियर एडिशनल एसपी के पद पर प्रमोशन होने पर श्यामू ठाकुर ने किया स्वागत

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।। हाल ही में ग्रह विभाग पुलिस द्वारा पुलिस प्रशासन की एक प्रमोशन सूची जारी की गई थी जिसमे पूर्व में सेवढा एस डी ओ पी के पद पर पदस्थ रहे देवेंद्र सिंह कुशवाह को एडिशनल एस पी बनाया गया जिस पर स्वागत के लिए उनके निज निवास पहुँचकर श्री कुशवाह को मिठाई खिलाकर स्वागत से सम्मान सत्कार कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- 14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा ने रक्तदान शिविर जिला चिकित्सालय में लगाया दोपहर 12ः00 बजे से उसमें संस्था की महिला सदस्यों ने भाग लिया जिसमें जैसी रुचि मंगल जेसी प्रियंका शिवहरे जेसी प्रियंका सोनी जेसी संध्या अग्रवाल रितु गोयल अनुराधा मंगल भावेश सिंघल पलाश अग्रवाल गौरव विरमानी अंकित खंडेलवाल शिवम सोनी नरेश धाकड़ आसिफ खान देवराज खटीक अमित श्रीवास्तव नीरज गोयल आदि लोगों ने रक्तदान किया इन सब का मानना है कि रक्तदान देना बहुत जरूरी है अध्यक्ष आशु अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान बहुत जरूरी है इसके लिए, उन्होंने 14 जून को अपने बेटे के जन्मदिन पर उससे भी रक्तदान करवाया और वह आगे भी इस तरह के शिविर लगाती रहेंगी , सभी रक्त दाताओं को माला स्माइली बॉल फ्रूट और जूस बिस्किट भी दिए गए बहा उपस्थित महिलाएं अध्यक्ष जेसी आशु अग्रवाल आईपीपी जेसी स्मिता सिंघल ऐसे में डायरेक्टर जेसी प्रियंका शिवहरे कोषाध्यक्ष जेसी संध्या अग्रवाल नीड ब्लड कॉलर जेसी अंजना अग्रवाल प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर जेसी नीतू जैन जेसी रानी गोयल जेसी रुचि मंगल जेसी नीता श्रीवास्तव और प्रोग्राम के अंत में नीट ब्लड कॉलर जेसी अंजना अग्रवाल ने सब का आभार व्यक्त किया और प्रोग्राम में नीतू जैन ने पूरा सहयोग दिया

संत शिरोमणि अतर दास जी महाराज के अंतिम दर्शन करने उमड़ी हजारों की भीड़

संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

गोरमी। गोरमी सर्कल के जाने-माने संत शिरोमणि अतर दास जी महाराज के निधन की खबर सोमवार देर रात जैसे ही उनके भक्तों को मिली भक्तों की अपार भीड़ परोसा स्थित संत अतर दास जी के आश्रम की ओर उमड़ पड़ी उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को सुबह 9ः00 बजे परोसा स्थित अतर दास जी महाराज के आश्रम प्रांगण में हुआ अंतिम संस्कार कार्यक्रम में गोरमी सर्कल के आसपास एवं भिंड मुरैना जिले से अतर दास जी के भक्त हजारों की संख्या में उनके अंतिम दर्शन करने उपस्थित हुए भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी उनके अन्तिम संस्कार कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली संत शिरोमणि अतरदास जी महाराज बेहद सहज सरल एवं सौम्य स्वभाव के संत थे इस लिए उनके भक्तों की संख्या लाखों में है हर मंगलवार को उनके आश्रम पर उनके दर्शन करने के लिए सुबह से शाम तक भक्तों की भारी भीड़ आती थी आसपास के क्षेत्र में वह एक श्रद्धा का केंद्र थे। संत हरिगिरी दास जी महाराज दंदरौआ सरकार के महंत रामदास जी महाराज एवं अन्य जो बड़े-बड़े संत हैं वह अतर दास जी महाराज जी का बड़ा सम्मान करते थे संत अतर दास जी महाराज का सोमवार को स्वास्थ्य थोड़ा सा खराब हुआ तो गोरमी के एक निजी अस्पताल में उनको भर्ती कराया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली । भक्तजनों का कहना है अतर दास जी की उम्र 110 से 115 के बीच थी उनके देवलोक गमन की खबर सुनकर कई परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है उनके अंतिम संस्कार कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी राजनेता जनप्रतिनिधि पत्रकार गण एवं बड़ी संख्या में उनके भक्तजन मौजूद थे उनके अंतिम दर्शन करने के लिए सुबह से ही महिलाएं बच्चे और सभी की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं

कैंसर विभाग की स्थापना की वर्षगांठ पर बोले विशेषज्ञ जल्दी इलाज से कैंसर से मुक्ति संभव

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विगत दिवस मेडिकल कॉलेज के कैंसर रोग विभाग में स्थापना दिवस मनाया गया ज्ञात हो कि मेडिकल कॉलेज में कैंसर विभाग की स्थापना का एक वर्ष पूर्ण हो गया है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ.अक्षय निगम मेडिकल सुप्रीटेडेंट डॉ.के.बी.वर्मा तथा कैंसर रोग विभागाध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र सचान, पैरामेडिकल नर्सिंग तथा अन्य समस्त स्टॉफ उपस्थित था।

डॉ. धीरेंद्र सचान ने बताया कि एक वर्ष में 2200 से अधिक ओपीडी एवं 500 से अधिक मरीजों को भर्ती कर उपचार किया गया जिसमें 400 से अधिक मरीजों को कीमोथैरेपी दी गई एवं यह संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग में पिंक कैंसर अभियान के अंतर्गत महिलाओं में बच्चेदानी के कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं मुख के कैंसर की जाँच एवं उपचार किया जा रहा है एवं विभाग में ब्रेस्ट कैंसर एवं बच्चेदानी के कैंसर का स्क्रीनिंग प्रोग्राम स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग एवं सर्जरी रोग विभाग के सहयोग से सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है। यदि सही समय पर कैंसर को पकड़ लिया जाए तो उपचार के द्वारा कैंसर का पूर्णतः इलाज संभव है। उन्होंने बताया कि शिवपुरी निवासी 60 वर्षीय एक महिला ने पेट दर्द एवं सूजन के लिए 9 माह पहले दिखाया जिसकी जाँच में अण्डाशय के कैंसर की पुष्टि हुई माला देवी की कीमोथैरेपी शुरू की गई एवं अब वह पूर्ण रूप से स्वस्थ है। इसी प्रकार 5 महिलाओं की ब्रेस्ट कैंसर की सर्जरी एवं कीमोथेरेपी शुरू की गई है, जिसके लिए पहले इंदौर, ग्वालियर, भोपाल जाना पड़ता था। अब यह सुविधा शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध है। यह महिलाएं भी अब पूर्णतः स्वस्थ हैं। अधिष्ठाता डॉ. अक्षय निगम ने इस अवसर पर बताया कि सिकाई की मशीन लाने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसके आने के बाद कैंसर मरीजों का पूर्णतः इलाज शिवपुरी में ही संभव हो जाएगा।

बरासों थाना प्रभारी सी पी एस चौहान ने गांव गांव जाकर लोगों को दी समझाइश।

आगामी पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने हेतु भिंड पुलिस की तरफ से हर संभव प्रयास जारी।

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भिंड पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे सीएसपी निशा रेडी के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने हेतु निर्देशित किया गया है जिसको मद्देनजर रखते हुए आज बरासों थाना प्रभारी सी पी एस चौहान अपने थाना क्षेत्र में प्रतिदिन गांव गांव जाकर लोगों को दे रहे समझाइश। बरासों थाना प्रभारी से जब हमारे संबाददाता ने बातचीत की तो इस पर प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक गांव में जाकर गुंडों बदमाशों को समझाइश देते हुए आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों से कहा कि चुनाव में किसी भी प्रकार की कोई गलत गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा समझाइश देने के बाद भी अगर ऐसा करता हुआ कोई व्यक्ति पाया गया तो उसपर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी और इसी के साथ थाना प्रभारी बरासों द्वारा कई लोगों पर बाउंड ओवर की कार्यवाही भी की गई।

नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली प्रदर्शन से दिया गया मतदान करने का संदेश

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। 14 जून को जिले की लांजी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले अतिनक्शल प्रभावित ग्राम देवरबेली एवं कंसुली में नुक्कड़ नाटक एंव कठपुतली प्रदर्शन के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत से सांत्वना अग्रवाल, श्रीमती सरिता राहंगडाले एवम जनपद पंचायत सीईओ श्री रंजीत ताराम की उपस्थिति में आजीविका मिशन की टीम द्वारा शासकीय सेवकों एवं ग्रामीणों को मतदान के दिन सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को रुको रुको रुको अभियान के तहत आदिवासी बैगा महिलाओं एवं पुरुषों को मताधिकार का प्रयोग करने जागरूक किया गया एवं 18 वर्ष के बालक बालिकाओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया जिससे उनमें प्रथम बार मतदान करने हेतु काफी उत्साह नजर आया । 18 वर्ष की बालिकाओं द्वारा मेहंदी और रंगोली के माध्यम से ग्रामीणों, वृद्ध महिलाएं, पुरुषों, दिव्यांगों को जागरुक किया गया। सब्जी मार्केट में भी उपस्थित लोगों को मतदान के प्रति उन्हें जागरूक किया गया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एनसीसी कैडेटों ने ली शपथ

केशब पंडित जी

अम्बाह। विश्व रक्तदाता दिवस पर 30 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी-भिंड के तत्वाधान में अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट द्वारा कार्यक्रम आयोजित कराया गया। एनसीसी अधिकारी कैप्टन मनोज शर्मा ने सर्वप्रथम कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए आज के दिवस के महत्व एवं आवश्यकता को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर ने रक्तदाता शिविर मैं उपस्थित समस्त अतिथियों को तथा एनसीसी कैडेट को रक्तदान हेतु शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में डॉ. आर. ए. एस. चौहान ,विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने रक्तदान के महत्व को बताते हुए कैडेटों को इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग करने को कहा। डॉ, चौहान ने जानकारी दी कि रक्त में उपस्थित लाल रक्त कणिकाएं 90 से 120 दिन में स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं अतः हर 3 माह में किसी भी व्यक्ति द्वारा रक्तदान किया जा सकता है और वह व्यक्ति स्वस्थ बना रहता है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी मेजर वी.के. जैन ने रक्तदान करने से कैंसर एवं दूसरी बीमारियों के होने के खतरे कम हो जाने को बताया क्योंकि शरीर में उपस्थित विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। रक्तदान से शरीर में एनर्जी बनी रहती है तथा आयरन की मात्रा को संतुलित करने से व्यक्ति का लीवर भी स्वस्थ बना रहता है और कैंसर का खतरा कम हो जाता है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर ने कैडेटों के समक्ष अपने अनुभवों को साझा करते हुए रक्तदान को आज की आवश्यकता बताया और कहा कि एक व्यक्ति एक बार किए रक्तदान द्वारा तीन व्यक्तियों की जान को बचा सकता है व्यक्ति द्वारा दिए गए रक्त के 24 घंटे के पश्चात शरीर उसकी पूर्ति स्वयं ही कर लेता है। आज के इस दिवस पर सभी रक्त दाताओं को नमन करते हुए सभी कैडेटों को इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग देने की तथा समाज को इस कार्य हेतु जागरूक करने की आवश्यकता को भी बताया।

कार्यक्रम का संचालन कैप्टन मनोज शर्मा द्वारा किया गया तथा लेफ्टिनेंट मंजू तोमर द्वारा समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए आज के दिवस के महत्व को कैडेटों के समक्ष रखा । कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल, डॉ. रक्षा कमठान, डॉ. राम किशोर उपाध्याय, कु. नेहा श्रीवास्तव पुस्तकालय से श्री मनोज शर्मा उपस्थित रहे।

थाना मिहोना जिला भिण्ड पुलिस की शराब तस्करो पर बड़ी कार्यवाही

440 पेटी आवेध शराब व 02 लोडिंग वाहन कुल कीमती 35 लाख 50 हज़ार जप्त की

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार-आगामी त्रिस्तरीय पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव के द्रस्टिगत श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड श्री शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा चलाए जा रहे अवेध के धरपकड़ अभियान के पालन में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय भिंड श्री कमलेश कुमार खारपुसे के मार्गदर्शन में श्रीमान एसडीओपी महोदय लहार श्री अवनीश बंसल के नेतृत्व में थाना प्रभारी मिहोना द्वारा मय बल के मुखबिर की सूचना पर से लहार की तरफ से आ रहे वाहन बोलेरो पिकप क्रमांक यूपी 75 बीटी 0 632 एवं टाटा एस क्रमांक यूपी 92 इुह्व 1887 को रोककर चेक किया तो दोनों वाहनों में अबे शराब की पेटियां रखी मिली वाहन चालकों से वाहनों में रखी शराब के संबंध में लाइसेंस के बारे में पूछा गया तो चालकों के पास कोई लाइसेंस नहीं होना पाया गया जिस कारण दोनों वाहनों में रखी कुल 440 पेटी अवैध शराब कीमती करीबन 16 लाख रुपए अवैध होने से शराब को मय वाहनों के जप्त किया गया चालकों के विरुद्ध धारा 342 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही में पकड़ी गई शराब एवं वाहनो कुल कीमत करीब 35 लाख ?50000 है।

इनकी रही मुख्य भूमिका

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मिहोना वरुण तिवारी उप निरीक्षक प्रमोद सिंह तोमर स उ नि राजकुमार शर्मा सहायक उपनिरीक्षक हरिश्चंद्र सिंह प्रधान आरक्षक 436 शकील मोहम्मद प्रधान आरक्षक 831 मदन मोहन शर्मा प्रधान आरक्षक 179 मुकेश राजावत प्रधान आरक्षक 695 शेर सिंह आरक्षक 444 अहिबरन गुर्जर आर प्रदीप सिंह आरक्षक चालक धर्मेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस थाना पिछोर ने ग्राम छीरवाहा में शराब पीकर पड़ोसी से गाली-गलौज कर झगड़ा करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया

पिछोर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश चंदेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी पिछोर दीपक सिंह तोमर के निर्देशन में व

थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पंचायत चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे गुंडा विरोधी अभियान के अंतर्गत ग्राम छीरवाहा से आरोपी संजीव नाई निवासी छीरवाहा को धारा 151 जाब्ता फौजदारी में गिरफ्तार किया फरियादी सुमेर उर्फ बालकृष्ण लोधी निवासी छीरवाहा ने आरोपी संजीव नाई के विरुद्ध मकान नहीं बनाने देने व शराब पीकर गाली गलौज कर झगड़ा करने की रिपोर्ट की थी आरोपी को एसडीएम कोर्ट पिछोर पेश किया जिसे 25 000 रुपए की जमानत मुचलका पर भविष्य में झगड़ा नहीं करने की शर्त पर रिहा किया पुलिस थाना पिछोर की टीम में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान प्रधान आरक्षक अरविंद यादव आरक्षक कमल सिंह मांझी व नगर रक्षा समिति सदस्य बालकिशन लोधी शामिल रहे।

एंडोरी पुलिस ने पकड़े दो कछुआ तस्कर 9 कछुए जब्त

मोनू बाथम पुष्पांजलीं टुडे

गोहद-पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, अति. पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार के निर्देशन में एवं एसडीओपी गोहद के मार्गदर्शन में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 को दृष्टिगत रखते हुए थाना एण्डोरी द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी सिलसिले में आज दिनांक 14/06/22 की दोपहर को वाहन चैकिंग के दौरान स्टेशन का पुरा (रायतपुरा) में दो संदिग्ध व्यक्ति मोटर सायकल हीरो एचएफ डीलक्स क्र. ख्व06ख्व4026 पर बीच में सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी को पुलिस से छिपाते हुए ले जा रहे थे संदेह होने पर उनको रोक कर बोरी की तलाशी ली गयी तो बोरी में नौ बड़े आकार के कछुए रखे हुए मिले जिनसे उक्त कछुओं को लाने ले जाने के बारे में दस्तावेज चाहे गये तो नहीं होना बताया दोनों व्यक्तियों का नाम पता पूछने पर अपना नाम देशराज नट पुत्र रूपसिंह नट उम्र 50 साल एवं सागर नट पुत्र हरनाम नट उम्र 34 साल निवासीगण नटकालोनी कनकर पुरा गोबरा कालोनी थाना बामौर जिला मुरैना निवासी का होना बताया। पकड़े गये कछुओं की कीमत लगभग 35000/- बतायी जा रही है । अग्रिम कार्यवाही के लिए वन विभाग की टीम को सूचना दी जिस पर टीम एंडोरी थाना पहुंची थाना प्रभारी द्वारा जप्त किये गये कछुओ को मय आरोपी वन विभाग जिला भिण्ड को सुपुर्द किया गया है कार्यवाही के दौरान वन विभाग प्रभारी राहुल गुर्जर, थाना प्रभारी नागेश शर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी शामिल रहे

गोहद चौराहा पुलिस ने ततपरता से घर से बिना बताये गायब हुए दो नाबालिगों को कुछ ही घंटों में खोज कर मिलवाया उनके माता-पिता से

मोनू बाथम पुष्पांजलीं टुडे

गोहद। श्रीमती लक्ष्मणि माहोर निवासी धर्मनगर गोहद चौराहा तथा मोहर सिंह कुशवाह निवासी इस्लामपुर गोहद चौराहा ने थाना गौहद चौराहा उपस्थित आकर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र शर्मा को बताया कि उनके बेटे क्रमशः रामकुमार माहोर उम्र 13 साल का विजय कुशवाहा उम्र 10 साल रात्रि में बिना बताए कहीं चले गए है इस पर थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा द्वारा श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कमलेश कुमार खरपुसे तथा एसडीओपी महोदय गोहद श्री आर के एस राठौर जी को अवगत करा दिशा निर्देशन में तत्परता से पुलिस ने तकनीकी की मदद से दोनों बच्चों की तलाश प्रारंभ की और मुरार के आर्मी एरिया से दोनों बच्चों को ढूंढ निकाला और उनके माता-पिता के सुपुर्द किया । बच्चों की तत्परता से तलाश करने में निरीक्षक रविंद्र शर्मा ,सायबर सेल उपनिरीक्षक दीपेंद्र यादव, सहायक उपनिरीक्षक अब्दुल समीम कि मुख्य भूमिका रही । बच्चों के माता-पिता ने गोहद चौराहा पुलिस की तत्परता पर पुलिस को धन्यवाद दिया !

पंचायत चुनाव मैदान में किन्नर भी उतरे

भोपाल। प्रदेश के पंचायत चुनाव में किन्नर भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। छह सीटों के लिए उन्होंने फॉर्म भरा है, और अपने जुदा अंदाज में प्रचार भी शुरू कर दिया है। इनमें से दो ने महिला सीट चुनी है। यह पहला मौका है जब वे महिला या सामान्य, किसी भी सीट से चुनाव लड़ पा रहे हैं। वोटर लिस्ट में उन्हें थर्ड जेंडर कैटेगरी नाम दिया गया है। छह किन्नर उम्मीदवारों में से चार सरपंच बनना चाहते हैं। 1-1 नामांकन जिला पंचायत सदस्य और पंच के लिए आए हैं। उन्होंने शहडोल (3 सरपंच), नर्मदापुरम (1 सरपंच), कटनी (1 जिला पंचायत सदस्य) और रतलाम (एक पंच) से फॉर्म भरा है। इनमें से चार ने सामान्य सीटों से पर्चा भरा है, तो दो ने आदिवासी महिला सीट से।

राजपूत भवन में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई।

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूर –महाराणा प्रताप नवयुवक मंडल बेंगलुरु द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में राजपूत भवन में आयोजित कार्यक्रम का विधायक दिनेश गुंडू राव ने दीप प्रज्वलन से शुभारंभ किया मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत मनोहर सिंह पूर्व पार्षद शिवकुमार एवं अन्य अतिथियों ने महाराणा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया इस अवसर पर नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया को सम्मानित किया गया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा वीरता पराक्रम स्वाभिमान एवं कभी हार ना मानने का नाम है महाराणा प्रताप जो लोग अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस नहीं रखते उन्हें महाराणा के जन्म दिवस को मनाने का अधिकार नहीं है

मतदाता जागरूकता के लिए लांजी में बनाई गई मानव श्रृंखला

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। विकास खंड लांजी में 14 जून को कॉलेज स्टूडेंट एंव छ्त्र्स्न के सभी पदाधिकारीयो एंव आजीविका मिशन की टीम द्वारा शासकीय उत्कृष्ट

विद्यालय लांजी के खेल कूद ग्रांउड लांजी में मतदाता जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाई गई और जागरूकता रैली निकाली गयी। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जोर-शोर से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को सारे काम छोड़ कर मतदान के दिन सबसे पहले मतदान करने की शपथ दिलायी जा रही है। ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि अपने गांव एवं क्षेत्र के विकास के लिए उनकी निर्वाचन में महत्वपूर्ण भूमिका होना चाहिए। अपना वोट स्वयं के विवेक से डालें और किसी बहकावे, प्रलोभन, दबाव में आये बगैर निर्भीक होकर मतदान करें।

सीएम शिवराज ने अमित शाह से एमपी के लिए अतिरिक्त फोर्स मांगा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को एक दिन के दिल्ली दौरे पर थे। यहां दिनभर व्यस्त कार्यक्रम में उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई मंत्रियों और पार्टी नेताओं से मुलाकात की. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गृह मंत्री अमित शाह को भोपाल आकर नई सहकारी नीति को जारी करने निमंत्रण दिया है. साथ ही नक्सल से लड़ने के लिए अर्धसैनिक बल की ज्यादा फोर्स भेजने की मांग भी उठाई है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा भ्रष्टाचार नहीं किया तो डर किस बात का है. श्वष्ठ को सच बताएं. दबाव बनाने से काम अब नहीं चलेगा. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कहा सहकारी नीति बना रहे हैं. नीति आयोग से भी इस पर चर्चा की है. सहकारी के माध्यम से लोगों को संगठित करने, उनकी आय को बढ़ाने और नए क्षेत्रों में सहकारी के माध्यम से आगे बढ़ने का लक्ष्य है. इसका ड्राफ्ट गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा है। सीएम शिवराज सिंह ने बताया गृह मंत्री अमित शाह को भोपाल आने का निमंत्रण भी दिया. सहकारिता सम्मेलन में शामिल हों और इसमें ही नई सहकारिता नीति को जारी किया जाए. उन्होंने बताया कि अमित शाह से नक्सल गतिविधियों के बारे भी चर्चा की गई है। राज्य में बालाघाट, डिंडोरी और मंडला नक्सल प्रभावित हैं. महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ में पुलिस का दबाव बढ़ने पर नक्सली मध्य प्रदेश में आते हैं. पिछले दिनों नक्सलियों से मुठभेड़ भी हुई है और मारे भी गए हैं।

आगामी पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने हेतु अम्बाह पुलिस प्रसासन की तरफ से हर संभव प्रयास जारी गांव गांव जाकर लोगों से कर रहै संवाद

चुनाव में मतदान केन्द्र पर 10 मिनट के अन्दर फॉर्स रहैगा उपलब्ध...एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह।मुरैना पुलिस अधीक्षक आसुतोष बागरी व अम्बाह डिबीजन एसडीएम राजीव समाधिया व एसडीओपी परिमाल सिह मेहरा के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने हेतु निर्देशित किया गया है जिसको मद्देनजर रखते हुए आज अम्बाह डिवीजन के एसडीएम व एसडीओपी व थाना प्रभारी वीट प्रभारी नीलम यादव ने अपने वीट क्षेत्र बरबाई हरिचन्द्र का पुरा भदौरिया पुरा में प्रतिदिन गांव गांव जाकर लोगों को दे रहे समझाइश । आज अपने थाना क्षेत्र के गांव बरबाई, रतनबसई , भदौरियापुरा, थरा गॉव में जाकर गुंडों बदमाशों को समझाइश देते हुए कहा चुनाव में किसी भी प्रकार की कोई गलत गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा समझाइश देने के बाद भी अगर ऐसा करता कोई व्यक्ति पाया गया तो उसपर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी सभी के बाउन्डोवर कर लिये गये है अगर ऊदम किया तो 122 के तहत कारबाही कर सीधे छह महीने को जैल भेज दिये जाओगे ऐसी अम्बाह में अभी चार कारबाही हुई है इस लिये शान्त प्रिय मतदान करे

कलेक्टर गिरिश कुमार मिश्रा ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट के सफाई व्यवस्था की समीक्षा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा ने आज 14 जून को नगर पालिका बालाघाट के वार्ड पर्यवेक्षक, स्वच्छता निरीक्षक एवं वार्ड प्रभारियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्र बालाघाट की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सतिश मटसेनिया भी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ मिश्रा ने बैठक में निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्र बालाघाट के सभी 33 वार्डो की नालियों की नियमित रूप से सफाई होना चाहिए और उनमें पानी एकत्र नहीं होना चाहिए। जहां पर कच्ची नालियां है वहां पर भी पानी निकासी की व्यवस्था दुरूस्त रखी जाये। वर्षा ऋतु में नालियों के चोक होने के कारण पानी की निकासी में समस्या होती है, अतः इस समस्या से बचने के लिए वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले छोटी बड़ी नालियों एवं बड़े नालों की सफाई कर ली जाये। नगर की स्वच्छता के लिए घर-घर जाकर कचरा एकत्र करने का कार्य नियमित रूप से चलना चाहिए। किसी भी वार्ड से यह शिकायत नहीं मिलना चाहिए कि कचरा एकत्र करने वाली गाड़ी या हाथ रिक्शा हर दिन नहीं आ रहा है। वार्ड प्रभारी नियमित रूप से

अपने वार्ड का भ्रमण करें और वार्ड की स्वच्छता व घर-घर से कचरा एकत्र करने के कार्य की सतत निगरानी करें। बैठक में अतिवर्षा की स्थिति में नगरीय क्षेत्र बालाघाट के प्रभावित होने वाले वार्डो में बचाव एवं राहत के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान बताया गया कि वार्ड नंबर-01, 04, 32 एवं 33 के 298 परिवार वैनगंगा नदी में बाढ़ आने पर प्रभावित होते है। बैठक में नगरीय क्षेत्र बालाघाट में संचालित हो रहे सार्वजनिक शौचालयों की नियमित रूप से साफ-सफाई करने के निर्देश दिये गये।

2023 के चुनाव की प्रयोगशाला बने नगरीय निकाय चुनाव, कांग्रेस आजमा रही फॉर्मूले

भोपाल। प्रदेश में इस वक्त चारों ओर नगरीय निकाय चुनाव का शोर है. कांग्रेस इस चुनाव को

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल करती हुई नजर आ रही है. पार्टी ने 2020 में हुए भितरघात और दल बदलने वाले नेताओं के मामले से सबक लेते हुए नगरीय निकाय चुनाव में वह तमाम तरह के फॉर्मूले अपनाना शुरू कर दिए हैं जो 2023 के पहले कांग्रेस के प्रयोगों की परीक्षा के रूप में देखे जा रहे हैं। उसने नगरीय निकाय चुनाव में होने वाले डैमेज को कंट्रोल करने के लिए अब तक आधा दर्जन सर्कुलर जारी कर दिए हैं। इन सर्कुलर में योग्य उम्मीदवार मिलने पर दावेदार को शपथ पत्र देने, पार्टी के खिलाफ नहीं जाने, सिफारिश वाले दावेदार की जीत की जिम्मेदारी लेने, पार्षद चुनाव में स्थानीय चेहरे को प्राथमिकता देने जैसे फॉर्मूले शामिल हैं. कांग्रेस पार्टी की कोशिश है कि 2023 के चुनाव के पहले वह तमाम तरह के प्रयोग आजमा लिए जाएं जो अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव में पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हों और उनके नतीजे भी आंक लिए जाएं।

निकाय चुनाव के लिए भी वचन पत्र लाएगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाली नगरीय निकाय चुनाव के लिए भी कांग्रेस अपना वचन पत्र जारी करेगी। वचन पत्र तैयार है। इसमें टैक्स मुख्य मुद्दा होगा। नगरीय निकाय चुनाव के पहले कांग्रेस पार्टी शहरों के विकास के लिए किसी तरह का नया टैक्स नहीं लगाने और पुराने टैक्स में वृद्धि नहीं करने का वचन देगी।पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कांग्रेस पार्टी का वचन पत्र बनकर तैयार हो चुका है। उसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की हरी झंडी के बाद जनता के सामने रखा जाएगा। सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कांग्रेस पार्टी निकाय चुनाव के लिए तैयार वचन पत्र में इस बात का वचन देगी कि किसी भी तरह का नया टैक्स जनता पर नहीं डाला जाएगा। नगरीय निकाय अपने आय के साधन बढ़ाकर शहरों के विकास के लिए काम करेंगे।

घर-घर जाकर बताई जा रही है, होम कम्पोस्टिंग खाद की विधि

ग्वालियर। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार स्वच्छता में नवाचार के लिये नगर निगम ग्वालियर द्वारा विभिन्न नये प्रयोग कर अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी सामग्री बनाकर आमनागरिकों को नवाचार के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी के तहत बडी संख्या में पुराने मटकों को कंपोस्टिंग खाद के लिये तैयार किया गया है। जिन्हें घरों में वितरित किया जा रहा है। साथ ही खाद बनाने की विधि भी बताई जा रही है। इसके साथ ही शहर वासियों से अपील की जा रही है कि वह पुराने मटकों का उपयोग मटका खाद बनाने में करें।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में नवाचार से संबंधित कार्यों के लिए एवं वार्ड स्तर पर आम जनों के घर से अनुपयोगी वस्तुओं को एकत्र कर उनको पुनः उपयोग हेतु बनाने के लिये निगम द्वारा कई नवाचार किये जा रहे हैं। जिसके तहत पुराने मटको का उपयोग होम कंपोस्टिंग मटका खाद प्लांट के बडी संख्या में तैयार किये हैं। उनका कहना है कि घरों में खाद बनाने की बडी समस्या रहती थी अब आसानी से घरों में भी वेस्टेज मटकों से खाद बनाई जा सकेगी और उस खाद का उपयोग घमलों मे लगे पौधो को देने में कर सकते हैं। इसके साथ ही मटका खाद बनने से घरों से निकलने वाले गीले कचरे का उपयोग भी हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि शहर के नागरिक बडी संख्या में घरों में रखे हुए पुराने मटकों का उपयोग मटका खाद के लिये करने लगे हैं। जिसमें निगम के कर्मचारी उनका पूरा सहयोग कर रहे हैं। निगम की स्वच्छता टीम द्वारा भी मटका खाद बनाने के लिये मटका तैयार कर घरों में वितरित किये जा रहे हैं। इसके साथ ही उनको बताया जा रहा है कि घरों से निकलने वाले गीला व सूखे कचरे का उपयोग खाद बनाने के लिये किया जा सकता है।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वह अपने घरों से निकलने वाले फल, सब्जी के छिलके एवं खाद्यय पदार्थ से अपने घर पर ही पुराने मटके का उपयोग कर जैविक खाद निर्माण करने का कार्य करें। जिससे जहां एक ओर सडकों पर गंदगी नहीं रहेगी। वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों को अपने घर की फुलबगिया एवं गमलों के लिये जैविक खाद भी मिलेगी। इसलिये शहर के अधिक से अधिक नागरिक अपने घर पर ही जैविक खाद बनाये और अपने ग्वालियर शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने में सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

मुनिश्री विनय सागर महाराज ने पनिहार से पद विहार कर सिकंदर कंपू जैन मंदिर पहुँचे

ग्वालियर। श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ससंघ ने आज मंगलवार की सुबह ग्वालियर नगर के दीनदयाल नगर में 2022 के पावन चार्तुमास के लिए पनिहार भौंरा स्थित जैन तीर्थ आदिश्वर धाम से पद विहार कर ग्वालियर सिकंदर कंपू स्थित श्री शांतिनाथ जैन जिनालय मंदिर पहुँचे। मुनिश्री ने गुरु भक्तों के साथ 20 किलो पदयात्रा कर सिकंदर कंपू पहुँचे। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया श्रमण मुमिश्री विनय सागर महाराज ससंघ प्रातः 5 बजे पनिहार से राजेश लाल मित्र मंडल, दिगंबर जैन जागरण युवा मंच ग्रेटर, व गुरुभक्त आधा दर्जन युवकों के साथ पद यात्रा करते हुए ग्वालियर स्थित श्री शांतिनाथ जैन जिनालय मंदिर पहुँचे।मुनिश्री विनय सागर महाराज का 2022 पावन चतुर्मास दीनदयाल नगर जैन मंदिर में होना है। श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ग्वालियर शहर के अलग अलग जैन मंदिरो में पहुँचकर भगवान जिनेंद्र के दर्शनों के साथ मंदिर समितियों को होने वाले भव्य चातुर्मास के लिए धर्म प्रभाव के लिए जुड़ेंगे। मुनिश्री जैन मंदिर पहुँचते ही भगवान जीनेद्र का अभिषेक कराया। श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज सुबह पद विहार कर सिकंदर कंपू स्थित दिगंबर शांतिनाथ जैन मंदिर पहुंचे।

पुण्य शाली जीव को ही धार्मिक वातावरण मिलता है: मुनिश्री

श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पुण्य शाली जीव को ही धार्मिक वातावरण मिलता है, किसी के निमित्त से किसी को पुण्य सहज मिल जाता है। मगर हम अधर्मी जीव इस मौके को भुना नहीं पाते। हर कोई संसार में रहना चाहता है जहां दुख ही दुख है। जीवन में हमें अच्छे कार्यों को लगातार करना चाहिए, समय निकाल कर जिन भगवान की आराधना करनी चाहिए। पाप की तो मर्यादा होती है पुण्य की मर्यादा नहीं होती। पुण्य के फल की मर्यादा होती है।

पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

चुनाव संबंधी सभी काम समय-सीमा में पूरे करें : कलेक्टर

चुनाव संबंधी सभी काम समय-सीमा में पूरे करें कलेक्टर

नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन का कार्य एक साथ किया जाना है। इसलिए सभी नोडल अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ अपने काम को अंजाम दें। साथ ही चुनाव से संबंधित सभी कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए।

मंगलवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मत पत्र मुद्रण, ईवीएम रेण्डमाइजेशन, मतदान केन्द्रों की व्यवस्थायें सहित सभी काम निर्धारित तिथि तक पूर्ण कर लें। उन्होंने बैठक में मौजूद रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनावी दायित्वों के निर्वहन में राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन हो। साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में आचार संहिता का पालन भी कराएँ।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री इच्छित ग?पाले व श्री एच बी शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनोद भार्गव सहित पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन से संबंधित सभी नोडल अधिकारी मौजूद थे।

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 350 की हुई जांच

ग्वालियर। रतन ज्योति चैरिटेबल फाउंडेशन, श्री जियाजी सदावर्त एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया, शिविर का उद्घाटन पूर्व मंत्री माया सिंह, बीज निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल एवं पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री अरविंद दूतावत ने किया। शिविर के प्रारंभ में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने नेत्रदान जनजागरूकता पर उद्बोधन दिया और लोगों से अधिक से अधिक नेत्रदान करने की अपील की। जिससे कॉनियल अंधत्व से पीड़ित मरीजों को नेत्र ज्योति प्रदान की जा सके।

शिविर में 350 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया और 30 मरीजों को निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया एवं 125 मरीजों को फ्री नजर का चश्मा भी प्रदान किया गया। शिविर में आई.एम.ए. पीडीबी प्रोग्राम के तहत रेटिना चैकअप भी किया गया, इसके बारे में आई.एम.ए. अध्यक्ष डॉ. प्रियंवदा भसीन ने बताया कि डायबिटिज के कारण आंख् में डायबिटिक रेटिनोपैथी रोग हो सकता है, जो अंधत्व का बहुत बड़ा कारण है और इसी अंधत्व से बचाव के लिये आई.एम.ए. द्वारा जारी अभियान के तहत बीते दस महीनों में अभी तक ग्रामीण व नगरीय स्तर पर 6000 से भी अधिक डायबिटिज से पीड़ित मरीजों के परदे की जांच की जा चुकी है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री हरीबाबू गोयल, उपाध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल, श्री मुकेश गुप्ता, श्री महेन्द्र गर्ग, श्री दीपक जैसवानी, श्री महेन्द्र साहू एवं समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के कुशासन को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है : शोभा सतीश सिकरवार

ग्वालियर। नगर निगम में कांग्रेस से महापौर प्रत्याशी श्रीमती डॉ. शोभा सतीश सिकरवार एवं पार्टी के पार्षदों की जीत के संकल्प को लेकर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा के कुशासन को उखाड़ फैंकन का समय आ गया है। यह बात कांग्रेस नेताओं ने पार्टी की आज हुई बैठक में कही। बैठक में महापौर उम्मीदवार श्रीमती डॉ. शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, कार्यकारी जिला अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, पार्टी प्रवक्ता आनंद शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमसिंह यादव, राकेश गुर्जर एवं विनोदी जैन मौजूद रहे। संचालन अवधेश कौरव ने किया। कांग्रेस नेताओं ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव का विगुल बज चुका है, हम सबको एक-जुट होकर कांग्रेस की जीत के लिए कठोर परिश्रम करना है, जिस कार्यकर्ता को जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी निष्ठा-समपर्ण से पूरा करना है। आज देश में मंहगाई, बैरोजगारी की भयंकर समस्या है। रसोई गैस, डीजल, पेट्रोल एवं खाद्यान पदार्थो की कीमते आसमान छू रही हैं। इससे आम आदमी परेशान है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता चुनाव में चट्टान की तरह खडा है और अपने-अपने बूथ को मजबूत कर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करना है। कांग्रेस का इतिहास गौरवशाली हैं। जिसने देश को आजादी दिलाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया है। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा निगम में वर्षों से बैठी है। खस्ताहाल सड़कें, गंदे पानी की सप्लाई, सीवर समस्या, गली-मौहल्लों में अंधेरे की समस्या आज भी बनी हुई है। कांग्रेस की जीत से इन सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। भाजपा की ईडी से न डरे है न डरेंगे, सीना तान के लडेंगेःसतीश- कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बैठक में भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा की ईडी से न डरे हैं और न डरेंगे, सीना तान कर लडेंगे। उन्होने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ पूरी कांग्रेस खड़ी है, हम कांग्रेस के लोग प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा को मुंहतोड जबाब देंगे। भाजपा से कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नही है। जहां सोनिया-राहुल का पसीना बहेगा, हम कांग्रेस कार्यकर्ता अपना खून बहा देंगे, पीछे नही हटेंगे। चुनाव का जिक्र करते हुए विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेतागण और जिलाध्यक्ष अभी भोपाल में है, शहर में वापस आने पर 66 वार्डों की एक साथ वृहद बैठक होगी, जिसमें चुनाव संचालन समिति, वार्डो के प्रभारी आदि समितियों का गठन किया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क शुरू कर दिया है, जल्दी की व्यापक कार्यक्रम तय होंगे। उन्होने सभी कांग्रेस जनों का आव्हान किया कि कांग्रेस की जीत से कांग्रेस मजबू होगी। हम सब को अपने-अपने क्षेत्र में पूरी ताकत से जुटना है। आई.टी.सेल एवं सद्भावना समिति की बैठक हुई:-विधायक डॉ. सतीश सिकरवार की मौजूदगी में कांग्रेस आई.टी. सेल की बैठक हुई।

आरोपी कुलदीप और भूपेन्द्र की गिरफ्तारी पर 30 हजार का इनाम

ग्वालियर। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ग्वालियर श्री डी श्रीनिवास वर्मा ने अशोकनगर जिले से फरार चल रहे आरोपी कुलदीप पुत्र हरचन्दी सिख एवं भूपेन्द्र सिंह पुत्र कुलदीप सिंह की गिरफ्तारी पर 30 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ अशोकनगर जिले के कचनार पुलिस थाना में हत्या सहित अन्य संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। जो भी व्यक्ति विधि संगत तरीके से इन आरोपियों को गिरफ्तार करने में मदद करेगा, उन्हें यह इनाम दिया जायेगा। इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर पूर्व में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर द्वारा 10-10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया था। तमाम प्रयासों के बाबजूद अभी तक इन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। अशोकनगर के पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम ब?ाने का प्रस्ताव अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर को भेजा था। इस तारतम्य में आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि बढ़ाई गई है। साथ ही पूर्व में घोषित इनाम की राशि निरस्त कर दी गई है।

त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

समय-सीमा में करवायें मतपत्र मुद्रण की कार्यवाही : सचिव राज्य निर्वाचन आयोग

ग्वालियर। मतपत्रों का मुद्रण समय-सीमा में करवायें। मतपेटियों की उपलब्धता का आकलन फिर एक बार कर लें। अभ्यर्थियों की संख्या जिन वार्डों में अधिक है, वहाॅ मतपत्र का साइज बड़ा होने से मतपेटियों की संख्या बढ़ानी पड़ सकती है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने यह निर्देश नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा में दिए। श्री सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्वाचन तैयारियों की बिन्दुवार समीक्षा की। श्री सिंह ने मतदान दल गठन, परिवहन एवं वर्षा ऋतु के परिपेक्ष में मतदान सामग्री वितरण एवं संग्रहित करने के लिए उपयुक्त स्थल के चयन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पानी से बचाव के लिए आयोग के निर्देशानुसार ई.व्ही.एम. और मतपेटियों के लिए पॉलीथिन बैग क्रय करने की कार्यवाही जल्द करें।

हमारे जीवन का लक्ष्यः निर्मल और निर्माणता का गुण

लश्कर ग्वालियर । आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के अंतर्गत आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा पुराना हाई कोर्ट लेन स्थित ÷संगम भवन÷ सेवा केंद्र पर एक विशेष कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से भोपाल से आए हुए आदरणीय भ्राता श्री प्रकाश भाईजी, बी.के.प्रसाद भाईजी, लश्कर ग्वालियर की मुख्य संचालिका बी.के.आदर्श दीदी जी, बी.के.डॉ. गुरुचरण भाई जी, बी.के.प्रहलाद भाई जी उपस्थित थे । कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के सम्मान के साथ किया गया ।

बी.के.आदर्श दीदीजी ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया और बताया कि श्रेष्ठ जीवन का दूसरा नाम ही है निर्माणचित्त । सभी के प्रति निर्माण की भावना यही आदर्श जीवन की विशेषता है। आज सम्बन्ध ङ्क संपर्क या हमारे घर परिवार मे रहने वाले लोगो से मन मुटाव का सबसे बड़ा कारण है की कोई भी मनुष्य आज झुकना नहीं चाहता । जबकि जो जितना झुकता है वो उतना ही निर्माण बनता जाता है और आपसी संबंध सुधरते जाते हैं। आपसी मन -मुटाव होने पर हम सामने वाले से उम्मीद रखते हैं की वो झुके परन्तु क्या कभी हमने स्वयं से शुरुवात की है । तो जब हम स्वयं को निर्माण स्वरुप बनाते जायेंगे, सहनशीलता का गुण स्वतः आप में आता जायेगा । इसी के साथ दुसरो के प्रति बैर की भावना, बदला लेने की भावना भी खत्म हो जाएगी।

आगे बी.के.प्रकाश भाईजी ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे जीवन में व्यर्थ आना मतलब कहीं ना कहीं अभी भी हमारे शुद्ध संकल्पों में मिलावट है तो उसके लिए-

-पहली सबसे ज्यादा ज्जरूरी बात है एकांत में बैठ कर विचार सागर मंथन करें । स्वयं से सुबह उठ कर बातें करें, चेक करें की क्या वजह है जो मेरे संकल्पों की रफ्तार इतनी तेज हो रही है और शुद्धता में अशुद्धता की मिलावट हो रही है । -दूसरी बात सुबह के समय में स्वयं को सकारात्मक संकल्पों से भरपूर करें और पूरे दिन की दिनचर्या में उन संकल्पों को बार बार याद करें ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478